पाक्षिक

क्रांतिरथ छत्तीसगढ़

सामाजिक क्रांति के पथ पर अग्रसर

Postal Regn No.C.G./RYP DN/65/2023-25

वर्ष - 22 ◆ अंक - 9 ◆ रायपुर 05 नवंबर 2025 ◆ पृष्ठ - 16 ◆ मूल्य-5/- रुपया

छत्तीसगढ़ विधानसभा का 25 साल का इंतजार खत्म

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नए विधानसभा भवन को राज्य को किया समर्पित

रजत जयंती वर्ष में छत्तीसगढ़ को मिला अपना भव्य और आधुनिक विधानसभा भवन

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन के लोकार्पण के साथ ही विधानसभा के खुद के भवन का 25 साल का इंतजार खत्म हो गया। राज्य निर्माण के रजत जयंती वर्ष में राज्योत्सव के मौके पर छत्तीसगढ़ को अपना भव्य और आधुनिक विधानसभा भवन मिला।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मुख्य आतिथ्य में नए विधानसभा परिसर में आयोजित लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने कहा कि यह हम सबके लिए बहुत गौरव का क्षण है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का सदैव लोकतांत्रिक परंपराओं पर गहरा विश्वास रहा है। राज्य की समृद्धि और खुशहाली के फैसले अब इस भवन में होंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि यहां राज्य के हित से जुड़े विधेयकों व मुद्दों पर सार्थक चर्चा से जनता की आकांक्षाएं और अपेक्षाएं पूर्ण होंगी। यह नया भवन छत्तीसगढ़ विधानसभा की परंपरा तथा लोकतंत्र की भावनाओं को और मजबूत करेगी एवं इनका गौरव बढ़ाएंगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन भगवान श्रीराम के ननिहाल और माता कौशल्या की धरती छत्तीसगढ़ के लिए स्वर्णिम है। छत्तीसगढ़ विधानसभा का पिछले 25 वर्षों में गौरवशाली इतिहास रहा है। राज्य सरकार पिछले 21-22 महीनों से मोदी की गारंटी को पूरा करने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को अटलजी ने बनाया है और मोदी जी इसे संवारने का काम कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज प्रदेश के लिए ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण क्षण है। आज यह भवन, भूमि और मंच अभूतपूर्व समय का साक्षी बन रहा है। छत्तीसगढ़ के इतिहास में आज का दिन स्वर्णिम अक्षरों में अंकित रहेगा। आज के दिन ही 25 वर्ष पहले स्वर्गीय श्री अटल बिहारी बाजपेयी ने राज्य का निर्माण किया था और आज ही यह अपने निर्माण से विधान तक का सफर पूरा कर रहा है। उन्होंने बताया कि नया विधानसभा भवन 80 प्रतिशत स्वदेशी मटेरियल से बना है। सदन में बस्तर के सागौन से निर्मित फर्नीचर और दरवाजे हैं, सीलिंग में धान की बालियों की कलाकारी है। छत्तीसगढ़ को यहां समाहित किया गया है।

कृषि-प्रधान संस्कृति और बस्तर के काष्ठ शिल्प की झलक

'धान का कटोरा' कहलाने वाले छत्तीसगढ़ की पहचान को इस भवन की वास्तुकला में बखूबी पिरोया गया है। विधानसभा के सदन की सीलिंग पर धान की बालियों और पत्तियों को उकेरा गया है, जो प्रदेश की कृषि-प्रधान संस्कृति का प्रतीक है। भवन के ज्यादातर दरवाजे और फर्नीचर बस्तर के पारंपरिक काष्ठ शिल्पियों द्वारा बनाए गए हैं। इस तरह नया विधानसभा भवन आधुनिकता और परंपरा का एक जीवंत संगम बन गया है।

भविष्य की जरूरतों के अनुरूप अत्याधुनिक भवन

नए विधानसभा भवन को वर्तमान और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। यह पूरी तरह सर्वसुविधायुक्त और सुसज्जित भवन है, जिसके सदन को 200 सदस्यों तक के बैठने के लिए विस्तारित किया जा सकता है। पेपरलेस विधानसभा संचालन के लिए आवश्यक तकनीकी सुविधाओं का समावेश भी किया गया है, जिससे यह भवन 'स्मार्ट विधानसभा' के रूप में विकसित होगा।

तीन करोड़ जनता की आकांक्षाओं का प्रतीक

छत्तीसगढ़ की संस्कृति और शिल्प से सजे-संवरे इस नए विधानसभा भवन में राज्य के तीन करोड़ नागरिकों की उम्मीदें, आकांक्षाएं और आत्मगौरव साकार होता दिखेगा। यह भवन न केवल लोकतांत्रिक व्यवस्था का, बल्कि छत्तीसगढ़ की पहचान, प्रगति और परंपरा का प्रतीक भी बनेगा।

शिवरतन शर्मा ने नरेन्द्र मोदी का आत्मीय स्वागत किया

भाटापारा। नवा रायपुर में आयोजित राज्योंत्सव कार्यक्रम में शामिल होने आयें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वरिष्ठ भाजपा नेता शिवरतन शर्मा ने आत्मीय स्वागत किया। उक्त अवसर पर शिवरतन शर्मा ने कहा कि भाजपा के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी ने ही छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया था और आज देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में छत्तीसगढ का विकसित स्वरूप नजर आ रहा है। शिवरतन शर्मा ने आधुनिक भारत के शिल्पकार, करोड़ों कार्यकताओं के प्रेरणास्रोत नरेन्द्र मोदी को बताते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य उन्नति की ओर आगे बढ रहा है इसका पुरा श्रेय संपूर्ण रूप से नरेन्द्र मोदी को जाता है। उक्त अवसर पर प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय दोनों उपमुख्यमंत्री अरूण साव व विजय शर्मा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव, मंत्रीगण और सांसद उपस्थित थे। प्रधानमंत्री मोदी सत्य साई संजीवनी अस्पताल पहुँचे, जहां वे हृदय रोग से उबरे करीब 2,500 बच्चों से संवाद किया। अपने प्रवास के दौरान पीएम लगभग 6 घंटे 45 मिनट शहर में रहें। उक्त अवसर पर उन्होनें समय निकालकर छत्तीसगढ़ की लोक कला की पहचान पद्म विभूषण तीजन बाई और सुप्रसिद्ध साहित्यकार पद्म भूषण विनोद कुमार शुक्ल का हालचाल भी जाना।

पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष को कार्यकर्ताओं ने जन्मदिन की बधाई दी

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थान खम्हरिया। नगर के समीप विश्राम गृह में रविवार को शाम 5ः00 बजे भाजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश जोशी का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यकर्ता सुबह से उनके निज निवास में बधाई देने पहुंचे। कार्यकर्ताओं के साथ केक काटकर उन्होंने जन्मदिन की खुशियां उनके साथ साझा की। कार्यकर्ताओं ने उनके कार्यकाल में बेमेतरा जिला में विकास कार्य की उपलब्धियां गिनाई। बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई दी। उनकी दीर्घायु व अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। पार्टी के कई कार्यकर्ता केक, मिठाई लेकर बधाई देने पहुंचे। शुभकामनाओं के लिए उन्होंने आभार जताते हुए कहा, कि कार्यकर्ताओं का प्रेम व स्नेह उनके सबसे बड़ी ताकत है। इस अवसर पर पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि राजेश ठाकुर, अनिल सिंघानिया, सुरेश सिंघानिया, पुन्नी तोरण यादव, परमेश्वर वर्मा, चंद्रशेखर राजपूत, आदर्श जोशी, लालाराम साहू, चंदेल निर्मलकर, संतराम निर्मलकर, मिथुन वर्मा, राजेश राजपूत, भरत साहू, गिरधर लोधी, नागेश्वर वर्मा, योगराज साहू उपस्थित थे।

मातर उत्सव में संस्कृति की झलक देखने पहुंचे अश्वनी शर्मा

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। निकटवर्ती गांव खोखली में मातर उत्सव के आयोजित कार्यक्रम में भाटापारा नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा पहुंचे इस दौरान उन्होंने यादव समाज के आयोजको को बधाई देते हुए कहा कि भगवान कृष्ण की असिम अनुकंपा आप सब के ऊपर कायम रहे व सभी सुख - शांति व समृद्धि के साथ अपने व अपने गांव का विकास करे कार्यक्रम में राजु यादव , राजकुमार यादव , बंसी यादव , विजय यादव , ईश्वर यादव , गोखुराम यादव , भुलाराम यादव , दुखुराम यादव , आशीष चर्तुवेदानी, पुरूषोत्तम ध्रुव सहित बड़ी संख्या में मातर में शामिल होने आये राउत नाचा दल के लोग के अलावा बड़ी तादाद में ग्रामवासी शामिल हुए।

गौरी - गौरा विसर्जन के दौरान उत्पात मचाने वाले 22 लोगों के विरूद्ध पुलिस ने कार्यवाही की

भाटापारा। शनिवार रात गौरी – गौरा विसर्जन के दौरान माता देवालय तालाब के पास हुए उपद्रव जिसमें चाकू तलवार बाजी व पत्थर बाजी की घटना भी थी उक्त घटना पर पुलिस ने पीड़ित पक्ष के हीरालाल यदु की रिपोर्ट पर 22 लोगो के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध करते हुए उक्त घटना में संलिप्त 22 लोगो में से 11 लोगो को पकड़ लिया है शेष 11 लोगो की सरगर्मी से तलाश में पुलिस टीम जुटी हुई है उपरोक्त गौरी – गौरा विसर्जन के दौरान दो गुटो के बीच जबरदस्त रूप से मारपीट , गाली – गलौच सहित छोटे – छोटे चाकू नूमा हथियार का प्रयोग हुआ था । जिसमें अनेक लोग घायल हुए थे घायल व घटना में गहरी चोट लगने वालों क ा उपचार अस्पताल में जारी है जिसमें से अनेक लोगो क ा सीटी स्कैन एवं एक्स रे भी कराये जाने की प्रक्रिया जारी है उक्त घटना में शामिल आरोपी अनिल मिश्रा , नितिन ध्रुंव , विक्रम यादव , मिथलेश निषाद सहित कुल 22 लोगो के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता क ी धारा 191(2) 109,296 के तहत कार्यवाही पुलिस ने की है ।

राज्य स्थापना दिवस हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया

देवरी (भाटापारा)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस रजत महोत्सव 31 अक्टूबर 2025 को कमलाकांत शुक्ला इंस्टिट्यूट, देवरी (भाटापारा) में संचालित उन्नत भारत अभियान, रेड क्रॉस ,एन एस एस के संयुक्त तत्वाधान में बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री मनीष शुक्ला (संचालक) रहे। विशिष्ट अतिथियों में सचिव श्रीमती अंजलि शुक्ला, प्राचार्य डॉ. वंदना चौहान, उन्नत भारत अभियान की संयोजक डॉ. पूर्णिमा कौशिक, एनएसएस अधिकारी सुश्री भावना हेंवार तथा रेडक्रॉस प्रभारी श्री प्रवीण विश्वास उपस्थित रहे।

क्कश्वस्न. प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर की छात्राओं ने छत्तीसगढ़ की संस्कृति लोक नृत्य – राऊत नाचा, सुआ नृत्य और कर्मा नृत्य लोकगीत , छत्तीसगढ़ी हास्य कविताओं की आकर्षक प्रस्तुतियाँ दीं। कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापकगण एवं छात्र–छात्राएँ भारी संख्या में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि एवं प्राचार्य ने छात्राओं की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति हमारी पहचान है, इसे आगे बढ़ाना हम सबका दायित्व है। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन डॉ. पूर्णिमा कौशिक द्वारा प्रस्तुत किया गया।

शोक - पत्र

अत्यंत दुख के साथ सूचित कर रहे हैं

श्री मुकेश सिंघानिया जी

का 04 नवम्बर 2025 को आकस्मिक निधन हो गया हैं
बारहवाँ कार्यक्रम एवं पगड़ी रस्म सायंकाल 04 बजे
15 नवम्बर 2025 दिन– शनिवार को
हमारे निवास में सम्पन्न होगा.
मृतात्मा की शांति हेतु आयोजित
कार्यक्रमों में पधारें।

फर्म :
गिरधारी लाल रामगोपाल सिंघानिया
थानखम्हरिया, जिला–बेमेतरा (छ.ग.)
मो. 7389607200 ,7566393817

शोकाकुल :
श्रीमती कलावती देवी (माँ)
संतोष सिंघानिया (भाई)
प्रखर सिंघानिया (पुत्र)
निखर सिंघानिया (पुत्र)
शिखर सिंघानिया (भतीजा)
एवं समस्त सिंघानिया परिवार

छत्तीसगढ़ की रजत जयंती

समरसता, संत परंपरा और सशक्त नेतृत्व की यात्रा

छत्तीसगढ़, यह नाम केवल एक प्रदेश का नहीं, बल्कि संस्कृति, संघर्ष और संवेदना की पहचान है। 1 नवम्बर 2000 को जब यह राज्य अस्तित्व में आया, तब तत्तकालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की दूरदर्शी सोच ने मध्यभारत के इस भूभाग को एक नई पहचान दी। उन्होंने एक ऐसे प्रदेश का स्वप्न देखा था जो अपनी माटी, मेहनत और मानवता से भारत के विकास में अग्रणी भूमिका निभाए।

छत्तीसगढ़ की आत्मा उसकी संत परंपरा में बसती है। यह वह भूमि है जहाँ गुरु घासीदास बाबा ने "मंखा मंखा एक समान" का अमर संदेश दिया। उन्होंने समाज को समानता, सत्य और अहिंसा का मार्ग दिखाया। इसी भूमि पर कबीर दास जी की वाणी ने जनमानस को जगाया उन्होंने भक्ति को सामाजिक सुधार का माध्यम बनाया। यह प्रदेश आज भी संतों, कवियों और समाज सुधारकों की परंपरा को अपने हृदय में संजोए हुए है।

यह धरती केवल अध्यात्म की नहीं, वीरता और दान की भी प्रतीक रही है। प्रवीर चंद और गुंडाधर जैसे वीरों ने स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिए अपने प्राण न्योछावर किए। वहीं दाऊ कल्याण सिंह जैसे समाजसेवक और सेठ किरोड़ीमल जैसे दूरदर्शी उद्योगपति दानवीर, छत्तीसगढ़ की आर्थिक और सामाजिक चेतना के निर्माता बने। रायगढ़ की समृद्धि हो या दुर्ग-भिलाई की औद्योगिक प्रगति यह सब इन्हीं महान विभूतियों के त्याग और दृष्टि का परिणाम है।

राज्य के निर्माण के बाद छत्तीसगढ़ ने एक संतुलित और स्थिर राजनीतिक यात्रा तय की। प्रथम मुख्यमंत्री श्री अजीत जोगी जी ने नवगठित राज्य की नींव रखी। उन्होंने प्रशासनिक ढांचे, शिक्षा और रोजगार की दिशा में बुनियादी कार्य किए। इसके बाद प्रथम निर्वाचित मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह जी के नेतृत्व में राज्य ने 15 वर्षों तक निरंतर प्रगति की। इस काल में बिजली, सड़क, उद्योग, सिंचाई और जनकल्याण की योजनाओं ने छत्तीसगढ़ को "विकास का मॉडल राज्य" बनाया। और चावल वाले बाबा के नाम से अमिट ख्याति बनाई उनके चावल बांटने के मॉडल को बाद में देश और अन्य राज्यों ने भी अपनाया, इसके पश्चात श्री भूपेश बघेल जी के कार्यकाल में राज्य ने किसान, संस्कृति और ग्रामीण विकास को प्राथमिकता दी। वर्तमान में श्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में प्रदेश पारदर्शिता, तकनीकी उन्नति और सुशासन की दिशा में नए आयाम स्थापित कर रहा है। विष्णु सरकार का लक्ष्य नवीन तकनीकी के साथ प्रदेश का विकास है जो आने वाले वर्षों में प्रदेश को देश के विकसित राज्यों के समकक्ष खड़ा कर देगा

छत्तीसगढ़ की ताकत इसकी विविधता में एकता है। यह वह भूमि है जहाँ हर समाज गोंड, सतनामी, साहू, यादव, तेली, कुम्हार, ठाकुर, बनिया, अग्रवाल, मरार, सोनार, मौर्य, पंजाबी, मारवाड़ी, गुजराती, सबने मिलकर इस माटी को सींचा है। अग्रसेन महाराज के आदर्श "एकता और उदारता" आज भी छत्तीसगढ़ के व्यापार, सेवा और सामाजिक कार्यों की प्रेरणा हैं।

आज बस्तर जैसे क्षेत्र, जहाँ कभी नक्सलवाद का साया था, वहाँ अब विकास की किरणें फैल रही हैं। सड़कों, स्कूलों, अस्पतालों और उद्योगों के साथ उम्मीदें लौट रही हैं। फिर भी समाज में कुछ लोग "बाहरी बनाम स्थानीय" की मानसिकता फैलाने का प्रयास करते हैं जबकि सच्चाई यह है कि यह धरती सबकी है। जो इसकी मिट्टी से प्रेम करता है, जो इसके विकास में योगदान देता है, वही इसका सच्चा बेटा है। इस मानसिकता और ऐसे लोगों को बहिष्कृत कर हमें अपने प्रदेश के विकास में आगे बढ़ाना है तभी 21वीं सदी का छत्तीसगढ़ नया छत्तीसगढ़ अपनी युवा अवस्था से जब प्रौढ़ अवस्था की ओर जाए तो वह एक समृद्ध और विकसित राज्य का दर्जा प्राप्त कर चुका हो।

अब जब छत्तीसगढ़ अपने 25 वर्षों की यात्रा पूरी कर चुका है, तो यह अवसर है चिंतन और संकल्प का। आने वाले वर्षों में हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि विकास केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि हर गांव, हर किसान, हर महिला और हर युवा के जीवन में दिखाई दे।

"मंखा मंखा एक समान" यही छत्तीसगढ़ की आत्मा है। यही संतों, वीरों और दानवीरों की धरती का संदेश है। यही हमारी पहचान है हमर छत्तीसगढ़, सबो मन के संग बने, सबो मन के संग बढ़े।

अतिथि संपादक –**आशीष भूषणिया**

भारतीय महिला क्रिकेट

नई उड़ान, नई संभावना को सलाम

महिला विश्व कप 2025 ने यह सिद्ध कर दिया कि अब भारत में खेल सिर्फ 'मैदान' तक सीमित नहीं, यह राष्ट्रीय चेतना और गौरव का हिस्सा बन चुका है। यह नारी स्वाभिमान, श्रम और संघर्ष की कहानी है। क्रिकेट अब केवल पुरुषों की लोकप्रियता का प्रतीक नहीं रहा, बल्कि महिलाओं की असाधारण योग्यता का उत्सव बन गया है।

महिलाओं की इस करिश्माई उपलब्धि के बाद अखबारों के शीर्ष में यह समाचार छपा और सबको लगा कि शब्द उन पृष्ठों से बाहर निकलकर नाच रहे हैं। भारतीय महिला खिलाड़ियों ने खिलाड़ीपन के लम्बे रन-अप को पल-पल जीया है। इस दौरान बहुत कुछ पीया है तभी वे विश्व विजेता बनी। वरना यहां तक पहुंचते-पहुंचते कईयों के घुटने घिस जाते हैं। एक बूंद अमृत पीने के लिए समुद्र पीना पड़ता है।

2 नवंबर 2025 का रविवार भारतीय खेल जगत के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज हो गया। यह वह दिन था जब नवी मुंबई का डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकेडमी मैदान न केवल एक विश्व कप का साक्षी बना, बल्कि भारतीय महिला शक्ति की अजेय प्रतिभा और जज्बे का भी प्रमाण देखा। शेफाली वर्मा ने 87 रन की पारी खेल कर विश्वकप को भारत के नाम कराने में अमूल्य योगदान दिया। शेफाली की यह पारी आत्मविश्वास से भरी होने के साथ-साथ सनसनीखेज पारी रही। इसी के साथ स्मृति मंधाना ने अपना सर्वश्रेष्ठ देते हुए भारत के लिये सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बनी। उनकी टाइमिंग एवं कंवर ड्राइव ने सबका दिल जीत लिया। वैसे टीम का हर खिलाड़ी इस आश्चर्यकारी जीत के लिये बधाई का पात्र है। निश्चित ही भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला विश्व कप 2025 अपने नाम कर ऐसा इतिहास रचा, जो न केवल खेल का अध्याय है बल्कि सामाजिक परिवर्तन और नारी सशक्तिकरण की प्रेरक गाथा भी है। विश्व विजेता बनने के बाद भारतीय महिला क्रिकेट की टीम की चर्चा दुनिया के हर कोने में हो रही है। यह जीत केवल एक ट्रॉफी भर नहीं, बल्कि उस नारी शक्ति का उद्घोष है जो वर्षों से अपने अस्तित्व को साबित करने में लगी थी। भारतीय बेटियों ने मैदान में यह दिखा दिया कि अब खेल सिर्फ पुरुषों का क्षेत्र नहीं रहा, यह वह मंच है जहां नारी की प्रतिभा, रणनीति, धैर्य और आत्मविश्वास अपनी सर्वश्रेष्ठ अभिव्यक्ति पा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह केवल क्रिकेट की जीत नहीं, बल्कि भारत की नारी शक्ति, परिश्रम और आत्मविश्वास की जीत है। सच भी यही है कि यह विजय भारत की नई महिला चेतना का प्रतीक है, वह चेतना जो अब हर क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ रही है। अब भारतीय महिलाओं को हाशिया नहीं, पूरा पृष्ठ चाहिए और यह बात उन्होंने इस ऐतिहासिक जीत को हासिल करके साबित किया है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पहली बार महिला वनडे विश्व कप अपने नाम कर ऐतिहासिक जीत हासिल की है। भारत और दक्षिण-अफ्रीका का फाइनल विश्व कप मैच सदा के लिए इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों के साथ अतीत के पन्नों में दर्ज हो गई है। हरमनप्रीत की कप्तानी में महिला क्रिकेट टीम ने यह यादगार जीत हासिल की है। इससे पहले मिताली राज की कप्तानी में महिला क्रिकेट टीम 2005 और 2017 में फाइनल तक पहुंची थी, लेकिन यहां आकर ट्रॉफी हाथ से फिसल गई थी। भारतीय महिला टीम ने टॉस हारने के बाद भी बल्लेबाजी के लिए उतरी और 298 रन बनाए। साउथ अफ्रीक की टीम इस आंकड़े को छू नहीं पाई, भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने साउथ अफ्रीका को 52 रन से हराकर 47 साल के इंतजार को खत्म किया।

इस महान सफलता के पीछे आईसीसी अध्यक्ष जय शाह की दूरदर्शी नीतियों और नेतृत्व का भी बड़ा योगदान है। उनके कार्यकाल में महिला क्रिकेट को वह सम्मान और अवसर मिले जिसकी वह वर्षों से हकदार थी। जय शाह ने न केवल संरचनात्मक सुधार किए बल्कि महिला क्रिकेट के लिए आधारभूत ढांचे, सुविधाओं और प्रोत्साहन योजनाओं को नई दिशा दी। उन्होंने यह साबित कर दिया कि जब नेतृत्व में दृष्टि होती है, तो इतिहास बदलता है। इस विश्व कप में भारतीय खिलाड़ियों ने अपने खेल से दुनिया को चकित किया। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने जिस साहस और सूझबूझ से टीम का नेतृत्व किया, वह प्रेरणा का विषय है। उनके बल्ले से निकले हर रन ने नारी शक्ति की धुन गाई। स्मृति मंधाना की क्लासिकल बल्लेबाजी ने विपक्षी गेंदबाजों को बेहाल कर दिया, जबकि युवा खिलाड़ी शैफाली वर्मा की आक्रामकता ने नई पीढ़ी की ऊर्जा को स्वर दिया। गेंदबाजी में रेणुका ठाकुर और पूजा वस्त्राकर की सटीक लाइन-लेंथ ने टीम को हर मुश्किल समय में संभाला, वहीं स्पिनर दीप्ति शर्मा ने अपनी जादुई गेंदों से विरोधियों के हौसले पस्त किए।

इस टूर्नामेंट में भारत की फील्डिंग और फिटनेस भी अप्रतिम रही, जो यह दर्शाती है कि अब भारतीय महिला क्रिकेट केवल तकनीक नहीं, बल्कि रणनीति और समर्पण के सर्वोच्च मानकों पर खड़ी है। महिला क्रिकेट खिलाड़ी नवीन क्षमताओं की नई उड़ान भरते हुए हर मन की मुराद पूरी कर रही है। यह जीत केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय खेल संस्कृति में परिवर्तन की दिशा का प्रतीक है। आज भारत की बेटियां छोटे कस्बों और गाँवों से निकलकर विश्व मंच पर चमक रही हैं।

यह उस सामाजिक परिवर्तन का परिणाम है जिसमें परिवार, समाज और सरकार ने नारी खेल प्रतिभा को अवसर देना शुरू किया है। महिला विश्व कप 2025 ने यह सिद्ध कर दिया कि अब भारत में खेल सिर्फ मैदान तक सीमित नहीं, यह राष्ट्रीय चेतना और गौरव का हिस्सा बन चुका है। यह नारी स्वाभिमान, श्रम और संघर्ष की कहानी है। क्रिकेट अब केवल पुरुषों की लोकप्रियता का प्रतीक नहीं रहा, बल्कि महिलाओं की असाधारण योग्यता का उत्सव बन गया है। भारत की यह जीत उस भविष्य की ओर इशारा करती है जहाँ खेल, लिंग भेद से परे, केवल प्रतिभा और परिश्रम के आधार पर सम्मान पाएगा।

ललित गर्ग

छत्तीसगढ़ स्थापना की 25वीं वर्षगांठ पर बेमेतरा में धूमधाम से मनाया गया रजत राज्योत्सव

तीन दिवसीय कार्यक्रम में प्रदर्शनी, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का हुआ आयोजन

ब्यूरो चीफ अनिल सिंघानिया

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर बेमेतरा जिला मुख्यालय में रजत राज्योत्सव हर्षोल्लास और गरिमामय माहौल में मनाया गया। ऐतिहासिक बेसिक स्कूल मैदान बेमेतरा में आयोजित तीन दिवसीय जिला स्तरीय राज्योत्सव सह रजत महोत्सव 2025 का शुभारंभ मुख्य अतिथि दुर्ग लोकसभा सांसद श्री विजय बघेल ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, सामाजिक संगठन, स्कूली बच्चे और आमजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर अति विशिष्ट अतिथि विधायक बेमेतरा श्री दीपेश साहू, विधायक साजा श्री ईश्वर साहू, अध्यक्ष छ.ग. तेलीघानी विकास बोर्ड श्री जितेन्द्र कुमार साहू, अध्यक्ष छ.ग. रजककार विकास बोर्ड श्री प्रहलाद रजक, नगर पालिका अध्यक्ष श्री विजय सिन्हा, जिला पंचायत सदस्य प्रीतम चंदेल, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि अजय साहू, राजेन्द्र शर्मा, ओमप्रकाश जोशी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से गूँज उठा मैदान

राज्योत्सव के शुभारंभ के पूर्व स्थानीय लोक कलाकारों एवं स्कूली विद्यार्थियों द्वारा छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति से ओतप्रोत आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं। नाचा, करमा, सुवा, पंथी और अन्य लोक नृत्यों ने वातावरण को जीवंत बना दिया। दर्शकों ने उत्साहपूर्वक तालियाँ बजाकर कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

विभागीय प्रदर्शनी का अवलोकन

मुख्य अतिथि सांसद श्री विजय बघेल ने कार्यक्रम स्थल पर स्थापित विभिन्न विभागीय प्रदर्शनी स्टालों का अवलोकन किया। जहाँ केंद्र एवं राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, हितग्राही आधारित कार्यक्रमों और उपलब्धियों की आकर्षक छायाचित्र प्रदर्शनी लगाई गई थी। स्टॉलों में शासन की योजनाओं की जानकारी, ब्रोशर और प्रचार सामग्री का नि:शुल्क वितरण किया जा रहा था। इसके साथ ही कृषि, महिला एवं बाल विकास, उद्योग, पशुधन, पंचायत, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य विभागों ने भी अपने-अपने स्टॉल लगाकर जिले की उपलब्धियाँ प्रदर्शित कीं।

सांसद बघेल ने कहा - 'यह 25 वर्ष छत्तीसगढ़ के आत्मगौरव की यात्रा है

अपने संबोधन में सांसद श्री विजय बघेल ने कहा कि यह दिन हर छत्तीसगढ़वासी के लिए गौरव और आत्मसम्मान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि 1 नवम्बर 2000 को बने हमारे प्यारे छत्तीसगढ़ राज्य ने इन 25 वर्षों में कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, ऊर्जा, सड़क, सिंचाई, संस्कृति और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। उन्होंने कहा यह प्रगति केवल सरकार की योजनाओं का परिणाम नहीं है, बल्कि छत्तीसगढ़ के किसानों, श्रमिकों, युवाओं और महिलाओं की मेहनत का प्रतिफल है। सांसद बघेल ने कहा कि राज्य सरकार और केंद्र सरकार मिलकर प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। आज गांव से लेकर शहर तक विकास की गूंज सुनाई दे रही है। सड़क, पुल-पुलिया, सिंचाई परियोजनाओं और शिक्षा संस्थानों के माध्यम से जनसामान्य तक सुविधाएं पहुँचाई जा रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमारी सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए लखपति दीदी योजना, महतारी वंदन योजना जैसी अभिनव योजनाएं चला रही है। किसान और युवा वर्ग को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भी अनेक रोजगारोन्मुखी योजनाएं शुरू की गई हैं।

विधायक दीपेश साहू बोले - 'बेमेतरा जिले में विकास कार्यों को मिल रही नई गति

विधायक बेमेतरा श्री दीपेश साहू ने कहा कि पिछले 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ ने विकास की नई ऊँचाइयाँ प्राप्त की हैं। बेमेतरा जिला भी इस प्रगति यात्रा का हिस्सा बनकर तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि अमोरा बैराज परियोजना के लिए करोड़ो रुपये की स्वीकृति एक ऐतिहासिक कदम है, जिससे सिंचाई सुविधा में व्यापक सुधार होगा। इसके अलावा जिले में स्टेडियम, लाइब्रेरी और बेसिक स्कूल मैदान के सौंदर्यीकरण जैसे कार्य भी प्राथमिकता से किए जा रहे हैं, जिससे युवाओं को खेल और शिक्षा के बेहतर अवसर मिलेंगे।

विधायक ईश्वर साहू बोले - "छत्तीसगढ़ की यह यात्रा संघर्ष और सफलता की गाथा है

विधायक साजा श्री ईश्वर साहू ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य का गठन 1 नवम्बर 2000 को हुआ था, और इन 25 वर्षों में राज्य ने अपनी अलग पहचान स्थापित की है। उन्होंने कहा कि राज्य की यह यात्रा संघर्ष, समर्पण और सफलता की कहानी है किसानों, महिलाओं, युवाओं और मजदूरों के योगदान से आज छत्तीसगढ़ पूरे देश में एक आदर्श राज्य के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि अब हमें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में और अधिक प्रयास करने होंगे ताकि हमारा छत्तीसगढ़ नवा छत्तीसगढ़ समृद्ध छत्तीसगढ़ के रूप में देश में अग्रणी बने। इस अवसर पर कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा ने छत्तीसगढ़ राज्य की 25 वर्षीय विकास यात्रा का संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और जिले में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्योत्सव के अवसर पर जिले में विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के चेक, महिला समूहों को ऋण वितरण, किसानों को मसूर बीज मिनी किट वितरण जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। राज्योत्सव का पहला दिन छत्तीसगढ़ी संस्कृति और विकास के संगम का प्रतीक बना। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लेकर राज्य के गौरव, परंपरा और विकास की इस 25 वर्षीय यात्रा का उत्सव मनाया। आगामी दो दिनों तक चलने वाले इस राज्योत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, विभागीय प्रदर्शनी, हितग्राही वितरण कार्यक्रम एवं स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी जारी रहेगी। छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया की भावना के साथ बेमेतरा ने राज्य की 25वीं वर्षगांठ को आत्मगौरव और उत्साह के साथ मनाया।

सांसद श्री विजय बघेल ने किया राज्योत्सव का विधिवत शुभारंभ किया प्रदर्शनी का अवलोकन

विभागीय स्टॉल प्रदर्शनी में दिखी जिले के 25 वर्षों की विकास यात्रा की झलक

सांसद बोले, बेमेतरा जिले ने विकास के हर क्षेत्र में स्थापित की नई पहचान

ब्यूरो चीफ अनिल सिंघानिया

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित रजत राज्योत्सव के अंतर्गत आज जिला मुख्यालय बेमेतरा के ऐतिहासिक बेसिक स्कूल ग्राउंड मैदान में तीन दिवसीय जिला स्तरीय राज्योत्सव का शुभारंभ हर्षोल्लास के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दुर्ग लोकसभा सांसद श्री विजय बघेल रहे। उन्होंने निर्धारित कार्यक्रम स्थल पर पहुँचकर छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर राज्योत्सव का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक साजा श्री ईश्वर साहू, विधायक बेमेतरा श्री दीपेश साहू, अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

विभागीय स्टॉल प्रदर्शनी में दिखी जिले की विकास गाथा

राज्योत्सव के शुभारंभ के पश्चात सांसद श्री विजय बघेल ने विभागीय स्टॉल प्रदर्शनी का भ्रमण किया।

उन्होंने विभिन्न विभागों के स्टॉलों में पहुँचकर जिले में पिछले 25 वर्षों में हुए विकास कार्यों, योजनाओं, सेवाओं और नवाचारों की जानकारी ली। सांसद ने प्रदर्शनी में जिला पंचायत, जनपद पंचायतें, महिला एवं बाल विकास, कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य पालन, पशुपालन, समाज कल्याण, जल संसाधन, शिक्षा, उद्योग, श्रम, स्वास्थ्य, वन, ऊर्जा (क्रेडा), लोक निर्माण, नगरीय निकाय, बीज निगम, कृषि विज्ञान केंद्र, जनसंपर्क विभाग सहित 30 से अधिक विभागों द्वारा लगाए गए आकर्षक स्टॉलों का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में विभागों ने छायाचित्र, मॉडल, पुस्तिकाएँ, वीडियो प्रेजेंटेशन और प्रदर्शन सामग्री के माध्यम से जिले की उपलब्धियाँ, जनकल्याणकारी योजनाओं की सफल क्रियान्वयन स्थिति तथा नवाचारों को दर्शाया। कई स्टॉलों पर जनजागरूकता सामग्री और सरकारी योजनाओं की जानकारी नागरिकों को निःशुल्क प्रदान की जा रही थी।

सांसद श्री विजय बघेल बोले - 'जिले में विकास की रफ्तार प्रशंसनीय

प्रदर्शनी का अवलोकन करने के उपरांत सांसद श्री विजय बघेल ने कहा कि बेमेतरा जिला आज छत्तीसगढ़ की प्रगति का सशक्त उदाहरण है। यहाँ के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और नागरिक समाज ने मिलकर शासन की योजनाओं को धरातल तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा मैं सभी विभागीय अधिकारियों को बधाई देता हूँ जिन्होंने निष्ठा और समर्पण से विकास कार्यों को धरातल पर उतारा है। आने वाले समय में भी सभी अधिकारी इसी शिद्दत से कार्य करें ताकि बेमेतरा राज्य के अग्रणी जिलों में अपनी पहचान बनाए रखे। सांसद ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य ने 25 वर्षों में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, ऊर्जा, सिंचाई, सड़क, उद्योग और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में निरंतर प्रगति की है। आज गाँव-गाँव तक योजनाओं का लाभ पहुँच रहा है, जिससे जनता का जीवनस्तर तेजी से सुधर रहा है।

विकास और संस्कृति का संगम बना राज्योत्सव

प्रदर्शनी स्थल पर जहाँ एक ओर विभागों के माध्यम से विकास की झलक प्रस्तुत की गई, वहीं दूसरी ओर स्थानीय कलाकारों और विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से छत्तीसगढ़ की लोककला और परंपराओं को जीवंत किया। नाचा, सुवा, पंथी, करमा जैसे लोकनृत्यों ने पूरे वातावरण को छत्तीसगढ़ी रंग में रंग दिया।

25 वर्षों की उपलब्धियों को समर्पित यह उत्सव जनता की सहभागिता का प्रतीक

राज्योत्सव के इस अवसर पर अधिकारियों ने बताया कि आने वाले दो दिनों तक विभागीय प्रदर्शनियाँ, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी और हितग्राही वितरण कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। जिले के नागरिकों को शासन की योजनाओं की जानकारी और विभिन्न योजनाओं के लाभ प्राप्त करने का अवसर भी मिलेगा। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव न केवल राज्य की 25 वर्ष की उपलब्धियों का उत्सव है, बल्कि यह जनभागीदारी, विकास और सांस्कृतिक गर्व की एक जीवंत मिसाल है।

318 वोटों से जीतकर लालेश्वर चुने गए तहसील साहू संघ पाटन के अध्यक्ष

ब्यूरो चीफ रतन कुमार

पाटन। तहसील साहू संघ पाटन का त्रिवार्षिक आम चुनाव कराया गया, जिसमें 98 इकाई के मतदाताओं ने वोट डाले। लालेश्वर साहू द्वारा गठित सामाजिक एकता पैनल के सभी उम्मीदवार निर्वाचित हुए। मतदान सुबह 10 से 3 बजे तक हुआ। इसके तुरंत बाद मतगणना हुई। अध्यक्ष पद पर सामाजिक एकता पैनल के लालेश्वर और भक्त माता कर्मा पैनल से दिनेश साहू के बीच मुकाबला था, जिसमें 318 मतों से लालेश्वर साहू विजयी हुए। उपाध्यक्ष महिला के पद पर विमला साहू 181 मतों से निर्वाचित हुईं। उपाध्यक्ष पुरुष पद पर 55 मतों से दुलेश्वर साहू विजयी हुए। संगठन सचिव पुरुष के पद पर सुरेन्द्र साहू 263 मतों से, संगठन सचिव महिला के पद पर भुनेश्वरी साहू 62 वोटों से जीतीं। मुख्य चुनाव अधिकारी घनश्याम साहू ने परिणाम घोषित किया। मंच संचालन खेमलाल साहू ने किया। मौके पर जिलाध्यक्ष नंदलाल साहू, दिनेश साहू, धनराज साहू, दिलीप साहू, चंद्रिका, अश्वनी, यतीश, लक्ष्मीनारायण, राकेश साहू आदि मौजूद थे।

जी एन ए महाविद्यालय में राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। शासकीय जी एन ए महाविद्यालय भाटापारा में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा "राष्ट्रीय एकता में सरदार पटेल का योगदान" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन प्राचार्य आनंद कुमार मिंज के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरदार पटेल की प्रतिमा में दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि के साथ हुआ। मुख्य वक्ता श्री प्रशांत वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि सरदार पटेल ने न केवल भारत के राजनीतिक एकीकरण का कार्य किया, बल्कि उन्होंने युवाओं में राष्ट्रीय कर्तव्य की भावना भी जगाई।

मुख्य अतिथि श्री अविनाश शर्मा ने कहा कि आज के समय में सरदार पटेल के आदर्श और दृढ़ नेतृत्व शैली हम सबके लिए प्रेरणास्रोत हैं।

जनभागीदारी अध्यक्ष श्री श्रेणिक गोलछा ने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। प्राचार्य डॉ. आनंद कुमार मिन्ज ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शित करते हुए कहा कि एकता, अनुशासन और सेवा ही सच्चे विद्यार्थी का धर्म है। कार्यक्रम में सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने राष्ट्रीय एकता के लिए शपथ ली तथा कार्यक्रम का अंत महाविद्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम के साथ किया गया। स्वागत भाषण डॉ. राजन तिवारी एवं आभार प्रदर्शन सुश्री इंद्राणी मरकाम ने किया।

राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में मॉडर्न इंग्लिश स्कूल के छात्रों ने स्वर्ण एवं रजत पदक जीता

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। मॉडर्न इंग्लिश स्कूल के छात्रों द्वारा राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में कक्षा सातवीं की छात्रा वालिया साहू ने प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल हासिल किया व कक्षा आठवीं के छात्र श्रेयांश जैन ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर सिल्वर मेडल जीतकर शाला का नाम गौरवान्वित किया। विद्यालय में सतत् विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विविध प्रतियोगिताएं जिसमें शैक्षणिक, रंगोली एवं खेल गतिविधियां आयोजित की गई। जिसके अंतर्गत शाला में अंग्रेजी कविता, रंगोली, कबड्डी व रस्सी कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कविता सुनाओ प्रतियोगिता कक्षा नर्सरी से दूसरी तक के लिए रखी गई थी। जिसमें प्रतिभिगियों ने विभिन्न परिवेश धारण कर हाव-भाव के साथ अपनी कविता के माध्यम से फल, पेड़ लगाओ, बेटी बचाओ, पाठशाला, हेल्दी फूड और जंक फूड, ट्रैफिक नियम, दीपावली विषयों पर सुंदर कविताओं की प्रस्तुतियां दी। कक्षा नर्सरी में प्रथम स्थान हिना साहू, द्वितीय स्थान खुशिका यदु, तृतीय स्थान वोमेश देवांगन व सांत्वना पुरस्कार पार्थ शुक्ला और अमायरा फातिमा को मिला। कक्षा एलकेजी में प्रथम स्थान ईशा कुशवाहा, द्वितीय स्थान रेयांश कौशल साहू ,तृतीय स्थान लीना जायसवाल ,सांत्वना पुरस्कार प्रियांक साहू, नव्यांश चेलक व ऋषभ साहू को मिला। कक्षा यूकेजी में प्रथम स्थान प्रीशा सोनी, द्वितीय स्थान आदीशा सिंह, तृतीय स्थान सात्विका शर्मा, सांत्वना पुरस्कार शिवन्या गुप्ता को मिला। कक्षा पहली व दूसरी में प्रथम स्थान फैंटास्टिक सदन से गुंजन वर्मा, द्वितीय स्थान अंबिका चक्रवर्ती, तृतीय स्थान तृप्ति साहू व ब्रिलिएंट सदन से जय सोनकर, सांत्वना पुरस्कार ब्रिलिएंट सदन

से हिमेश कंवर, फैंटास्टिक सदन से दिव्यांशी साहू, जीनियस सदन से हर्ष कोसले, मार्बल्स सदन से सुनिधि साहू व सामर्थ शर्मा को मिला।

रंगोली को भारत की प्राचीन सांस्कृतिक और लोक कलाओं में से एक माना जाता है। रंगोली के सुंदर रंग घर में खुशहाली एवं सुख समृद्धि लाते हैं। इन्हीं भावनाओं को ध्यान में रखते हुए मॉडर्न इंग्लिश स्कूल में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिभागी सभी छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रकार की आकर्षक रंगोली बनाकर अपनी रचनात्मक कला का प्रदर्शन किया। जिसमें कक्षा तीसरी से पांचवी में प्रथम स्थान जीनियस सदन से अवनी कश्यप, द्वितीय स्थान चित्रा साहू, द्वितीय स्थान ब्रिलिएंट सदन से महक

यादव। सांत्वना पुरस्कार फैंटास्टिक सदन से इशिता देवांगन, जीनियस सदन से मनीशा साहू, मार्वलस सदन से पूनम साहू व तनु भानुशाली को मिला। कक्षा छठवीं से आठवीं में प्रथम स्थान मार्बल्स सदन से प्राची साव, द्वितीय स्थान फैंटास्टिक सदन से रिया दुबे, तृतीय स्थान जीनियस सदन से मान्या साहू, फैंटास्टिक सदन से काव्या देवांगन, सांत्वना पुरस्कार फैंटास्टिक सदन से सेजल साहू, मार्बल्स सदन से स्मृति यदु, ब्रिलिएंट सदन से गौरव वर्मा व अनन्या गुप्ता को मिला।

कबड्डी शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। यह मांसपेशियों को मजबूत करती है, सहनशक्ति को बढ़ाती है और टीम वर्क, स्फूर्ति, रणनीति बनाने और तेजी से निर्णय लेने जैसे कौशल विकसित करती है। इसके अतिरिक्त यह एक पारंपरिक भारतीय खेल है जो सांस्कृतिक विरासत और एकता को बढ़ावा देता है।

इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन कक्षा छठवीं से आठवीं तक के छात्रों के लिए रखा गया। जिसके विजेता रहे मार्वलस सदन और उपविजेता रहे फैंटास्टिक सदन। इसमें बेस्ट राइडर का पुरस्कार मार्वलस सदन से मनीष पाल व बेस्ट डिफेंडर का पुरस्कार फैंटास्टिक सदन से अमन यदु को मिला। रस्सी कूद प्रतियोगिता कक्षा तीसरी से पांचवी तक की छात्राओं के लिए रखी गई थी। जिसमें प्रथम स्थान मार्वलस सदन से नंदिनी कुमारी, द्वितीय स्थान फैंटास्टिक सदन से गुंजन ध्रुव को मिला।

इस अवसर पर प्राचार्या श्रीमती प्रीति ताम्हणे ने कहा कि ये प्रतियोगिताएं पुस्तकीय ज्ञान के अतिरिक्त समस्त शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए रखी गई है। विद्यार्थी जीवनकाल में जो सीखता है वह उसे जीवन में नई दिशा प्रदान करता है। उसका भविष्य प्रशस्त होता है। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों को बधाई दी गई।

महतारी चौक पर ऑटो चालक संघ द्वारा भव्य कार्यक्रम का आयोजन

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आज भाटापारा स्थित छत्तीसगढ़ महतारी चौक पर ऑटो चालक संघ द्वारा भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा की उपस्थिति में ऑटो चालक संघ के सभी सदस्यों एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्र म से पूर्व ऑटो चालक संघ द्वारा निकाली गई आकर्षक ऑटो रैली ने पूरे शहर के वातावरण को "माँ छत्तीसगढ़ महतारी" के जयघोष और "छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया" के गर्व से गुंजायमान कर दिया। रैली ने जन-जन में प्रदेश के प्रति गौरव, एकता और सांस्कृतिक अस्मिता की भावना का संचार किया। यह दिवस छत्तीसगढ़ की पहचान, परंपरा, परिश्रम और स्वाभिमान का प्रतीक है। यह हमें अपनी माटी, संस्कृति और लोकमूल्यों से जुड़े रहने की प्रेरणा देता है। छत्तीसगढ़ सिर्फ एक राज्य नहीं, बल्कि मेहनत, ममत्व और अपनत्व की भूमि है – जहाँ हर हृदय में माँ छत्तीसगढ़ महतारी के प्रति असीम श्रद्धा और प्रेम है।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने उपस्थित सभी नागरिकों एवं ऑटो चालक भाइयों को छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और कहा कि यह गौरवमयी दिवस हमें अपने प्रदेश की संस्कृति, भाईचारे और विकास के मार्ग को और सशक्त बनाने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ क्रांतिसेना के प्रदेश उपाध्यक्ष चंद्रकांत यदु(बाबा), ऑटोसंघ के संरक्षक शिव साहू, बोसु यदु, देवप्रसाद वर्मा,टिकेश साहू सचिव,मनहरन पाल बल्लू पाल राजकुमार साहू राजेश कुर्रे सुनील साहू ओमप्रकाश डहरिया अश्वनी साहू पप्पू मानिकपुरी शिवा धृतलहरे योगेश यदु एवं समस्त ऑटो चालक मौजूद रहे।

राष्ट्रीय एकता दिवस विशेष

'एक भारत, एक दृष्टिकोण' - सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर एकता की विरासत को सलाम

ब्यूरो चीफ रतन कुमार

दुर्ग । 31 अक्टूबर को देश राष्ट्रीय एकता दिवस और लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती मना रहा है। इस अवसर पर, यह संदेश कालातीत और आवश्यक दोनों है- एक संयुक्त भारत न केवल हमारी विरासत है, बल्कि हमारी सबसे स्थायी शक्ति है। आज़ादी के पहले दिन से लेकर आज की वैश्विक और क्षेत्रीय चुनौतियों तक, भारत की एकता ही इसकी प्रगति का आधार रही है। सरदार पटेल का दृष्टिकोण आज भी हमें मार्गदर्शन दे रहा है, क्योंकि राष्ट्र की एकता न तो स्वत: प्राप्त है और न ही हमेशा निर्विवाद रहती है। इसे सक्रिय रूप से बनाए रखना, रचनात्मक रूप से नवीनीकृत करना और दृढ़ता से बचाव करना आवश्यक है।

एकीकरण की विरासत

1947 में जब भारत औपनिवेशिक शासन से मुक्त हुआ, तो नए राष्ट्र के सामने एक विशाल कार्य था। ब्रिटिश भारत के साथ 560 से अधिक रियासतें थीं, जो आकार, संस्कृति और प्रशासनिक परंपरा में विविध थीं। सवाल सिर्फ उनकी संप्रभुता छोड़ने का नहीं था, बल्कि यह था कि क्या भारत एक राष्ट्र के रूप में उभरेगा या छोटे टुकड़ों में विभाजित हो जाएगा। सरदार पटेल ने इस कार्य को एक व्यक्तिगत मिशन के रूप में लिया।

उनका दृष्टिकोण दृढ़ लेकिन समावेशी था। उन्होंने माना कि राष्ट्र हित सर्वोपरि होना चाहिए, लेकिन उन्होंने प्रत्येक घटक की गरिमा का भी सम्मान किया। विलय पत्र (Instrument of Accession) का निर्माण, लगातार बातचीत, और जहाँ आवश्यक हुआ, वहाँ निर्णायक प्रशासनिक कार्रवाई, इन सभी ने रियासतों को भारत संघ में लाने का कार्य किया। इस उपलब्धि ने ही आज के भारत की नींव रखी।

प्रशासनिक एकता का इस्पात ढाँचा

पटेल का यह कार्य केवल भौगोलिक नहीं था। उन्होंने उन

संस्थानों के निर्माण पर ज़ोर दिया जो केंद्र को राज्यों से और नागरिकों को सरकार से जोड़ते हैं। उन्होंने गणतंत्र के "इस्पात ढाँचे" (steel frame) – अखिल भारतीय सेवाओं, पुलिस और प्रशासनिक तंत्रों को आकार देने में मदद की, जो आज भी दिन-प्रतिदिन के शासन में राष्ट्रीय एकता को बनाए रखते हैं।

विविधता में एकता और आर्थिक समावेशन

एकता केवल मानचित्र पर रेखाएँ खींचने या संधियों पर हस्ताक्षर करने से प्राप्त नहीं होती। एकता बाज़ारों, त्योहारों, भाषाओं और कलाओं में लोगों के जीवन में बसती है। भारत सैकड़ों भाषाओं, हज़ारों समुदायों और असंख्य परंपराओं का एक मोज़ेक है। ये विविध धागे साल-दर-साल, त्योहार-दर-त्योहार एक राष्ट्र के ताने-बाने में बुने जाते हैं। इस शक्ति को बनाए रखने के लिए, विविधता का जश्न मनाना आवश्यक है। एकता को बनाए रखने के लिए मज़बूत, निष्पक्ष और जवाबदेह संस्थानों की आवश्यकता होती है। पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (CAPFs) जैसे सुरक्षा संस्थान वह सुरक्षित वातावरण प्रदान करते हैं जिसमें यह सांस्कृतिक एकता पनप सकती है।

राजनीतिक एकीकरण पर्याप्त नहीं है; एकता के लिए आर्थिक समावेशन, सामाजिक न्याय और अवसर भी चाहिए। समृद्धि और संसाधन हर कोने और हर नागरिक तक पहुँचने चाहिए। जब दूरस्थ ज़िलों को नए राजमार्ग, स्कूल या अस्पताल मिलते हैं, तो यह स्पष्ट संदेश जाता है कि भारत की एकता मूर्त लाभ प्रदान करती है।

वैश्विक पटल पर एकता का महत्त्व

रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के इस युग में, एक मज़बूत और एकजुट भारत वैश्विक स्तर पर सम्मान अर्जित करता है। राष्ट्रीय एकजुटता विदेश नीति और वैश्विक प्रभाव के लिए महत्वपूर्ण है। सरदार पटेल ने पहचाना था कि एकता न केवल घरेलू आवश्यकता है, बल्कि एक वैश्विक संकेत भी है। सरदार वल्लभभाई पटेल ने एक बार कहा था- हर भारतीय को अब भूल जाना चाहिए कि वह राजपूत है, या सिख है, या जाट है। उसे याद रखना चाहिए कि वह एक भारतीय है। यह कथन आज भी उतना ही प्रासंगिक है। एकता एक बार में प्राप्त नहीं होती; यह एक दैनिक अभ्यास है। राष्ट्रीय एकता दिवस पर सरदार पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि केवल उन्हें याद करने में नहीं, बल्कि उनकी विरासत को जीने में निहित है- एक भारत, एक दृष्टिकोण, एक दृढ़ संकल्प।

शिक्षा मंत्री बोले-4700 शिक्षक भर्ती प्रक्रिया में-दुर्ग में कहा- 300 पद कंप्यूटर, योग शिक्षकों के लिए होंगे, राज्योत्सव कार्यक्रम में हुए शामिल

ब्यूरो चीफ रतन कुमार

दुर्ग में राज्योत्सव-2025 के पहले दिन स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने शिक्षक भर्ती और हाईटेक शिक्षा को लेकर जरूरी घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि 5000 शिक्षकों की भर्ती में से 4700 पदों पर प्रक्रिया वित्त विभाग से शुरू हो चुकी है। शेष 300 पदों पर कंप्यूटर, पीटी और योग जैसे विषयों के शिक्षकों की भर्ती की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य हाईटेक शिक्षा की ओर बढ़ रहा है, जिसके लिए तकनीकी समझ वाले शिक्षकों की आवश्यकता है। भर्ती नोटिफिकेशन में देरी पर उन्होंने स्पष्ट किया कि कुछ लोग बिना जानकारी के आंदोलन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री से चर्चा कर शिक्षक भर्ती को अन्य विभागों से पहले पूरा करने का आग्रह किया गया है।

12वीं बोर्ड परीक्षा के टॉपर को 1 लाख देने की घोषणा

इस दौरान शिक्षा मंत्री ने दुर्ग जिले के 12वीं बोर्ड परीक्षा के टॉपर

को 1 लाख रुपए पुरस्कार देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रतिभाशाली छात्रों को प्रोत्साहित करना सरकार की प्राथमिकता है। गजेंद्र यादव ने भिलाई पावर हाउस स्थित बंद पड़े सी-मार्ट को छत्तीसगढ़ी साज-सज्जा और श्रृंगार सामग्री के शोरूम के रूप में विकसित करने की भी घोषणा की।

राज्योत्सव में दिखी छत्तीसगढ़ी संस्कृति की छटा

गंज मंडी परिसर में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस दौरान शिक्षा मंत्री ने छत्तीसगढ़ के

गौरवशाली इतिहास और उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ आज वित्तीय व्यवस्था, महिला सशक्तिकरण, कृषि विकास, युवाओं को रोजगार और सांस्कृतिक संरक्षण के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बन चुका है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सुशासन और पारदर्शिता की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। राज्य निर्माण के 25 साल पूरे होने पर कहा कि यह सब पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की दूरदृष्टि और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह की नीतियों का परिणाम है, जिन्होंने खाद्यान्न सुरक्षा और ग्रामीण विकास को नई दिशा दी।

विभागीय स्टॉल में लगी भीड़

जिला प्रशासन की ओर से लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टॉल में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। स्वास्थ्य विभाग ने टीबी, सिकलिंग, शुगर, बीपी जांच और आयुष्मान कार्ड जैसी सेवाएं दीं।

उद्यानिकी विभाग ने ग्रीन हाउस, ऑयल पाम खेती और फल-सब्जी उत्पादन पर जानकारी दी। शिक्षा विभाग ने टीएलएम (Teaching Learning Material) की प्रदर्शनी लगाई, वहीं महिला एवं बाल विकास विभाग ने आंगनबाड़ी केंद्रों में सीखने की नई पद्धतियों को दिखाया।

दुर्ग पुलिस का एक्शन मोड

हथियार लहराने वाले 'सोशल डॉन' पर टूट पड़ा कानून

ब्यूरो चीफ रतन कुमार

दुर्ग। जिले की पुलिस अब उन बदमाशों की तलाश कर रही है। जिनमें बदमाश सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ रील बनाकर डाल रहे है। पिछले चार दिनों में पुलिस ने 100 से ज्यादा सोशल मीडिया अकाउंट को खंगाला है। इनमें से हथियारों के साथ पोस्ट करने वाले 14 लोगों पर कार्रवाई की गई है।

वहीं 20 से ज्यादा नाबालिग और युवकों को समझाइश देकर छोड़ा गया है। दरअसल जिले में आए दिन मर्डर होना अब आम बात हो गया है। मामूली बातों में शहर में चाकूबाजी की घटनाएं हो रही है।

पुलिस ने अब इन घटनाओं को रोकने के लिए एक नई शुरुआत की है। इसके तहत दुर्ग पुलिस अब अपराधी किस्म के लोगों को सोशल मीडिया पर तलाश कर रही है। सोशल मीडिया पर पोस्ट डिलीट करा रही पुलिस दुर्ग पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ऑनलाइन प्लेटफार्म के माध्यम से अवैध चाकू और घातक हथियार मंगाने वालों पर नकेल कस दी है। पुलिस ने सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ फोटो या वीडियो पोस्ट करने वाले अकाउंट होल्डरों की पहचान कर उन पर सख्त कार्रवाई की है।

साथ ही नाबालिगों द्वारा इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे प्लेटफार्म पर हथियारों के साथ पोस्ट डालने के

मामलों में उनके परिजनों को थाने बुलाकर समझाइश दी गई और पोस्ट डिलीट कराई गई। जिले में बढ़ गई चाकूबाजी की घटनाएं

पिछले कुछ महीनों से जिले में चाकूबाजी की घटनाएं लगातार बढ़ रही थीं। जांच में सामने आया कि कई बदमाश ऑनलाइन प्लेटफार्म जैसे अमेजन, फ्लिपकार्ट और मेशो से घातक चाकू मंगाकर उनका उपयोग डर फैलाने के लिए कर रहे थे। कुछ लोग इन हथियारों के साथ अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर अपलोड कर आम नागरिकों को धमकाने और भय पैदा करने की कोशिश कर रहे थे।

पुलिस की टेक्निकल टीम कर रही अकाउंट चेक

एएसपी राठौर ने बताया कि दुर्ग पुलिस की तकनीकी सेल और एसीसीयू की टीमों ने मिलकर पिछले चार दिनों में सैकड़ों सोशल मीडिया अकाउंट्स की जांच की। इसमें कई संदिग्ध अकाउंट सामने आए, जिन पर कार्रवाई के निर्देश संबंधित थाना प्रभारियों को दिए गए।

इस अभियान के तहत थाना

कोतवाली दुर्ग में 2 लोगों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई, जबकि थाना छावनी क्षेत्र में पुलिस ने 12 अवैध हथियार जब्त किए। जिन लोगों के पास हथियार नहीं मिले, उन पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है।

पुलिस ने चाकू खरीदने वालों की तैयार की सूची

पुलिस ने सोशल मीडिया एकाउंट्स पर बच्चों के हथियारों के साथ रील पर उनकी भी जमकर क्लास लगाई है। फटकार के साथ परिजनों को समझाइश दी गई है कि वे अपने बच्चों को मोबाइल दें तो उसकी जांच भी करते रहे हैं कि आखिर वे क्या कर रहे हैं। परिजनों की जिम्मेदारी है कि बच्चे किसी गलत संगत या अवैध गतिविधि में शामिल न हो।

पुलिस विभाग के अफसरों का कहना है कि पुलिस ने अब तक जिले में ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यमों से चाकू खरीदने वालों की सूची तैयार की है। जांच के दौरान लगभग 300 लोगों को समझाइश दी गई है कि वे अवैध चाकू या तलवार की खरीदारी न करें।

ऑनलाइन हथियारों की बिक्री पर पुलिस लिख चुकी है पत्र

बताया जा रहा है कि छत्तीसगढ़ में रायपुर पुलिस समेत प्रदेश की अलग-अलग जिलों की पुलिस ने ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफार्म अमेजन, फ्लिपकार्ट और मेशो जैसी कंपनियों से इस तरह के घातक हथियार जैसे चाकू, तलवार, पिस्टल, कट्टा आदि की डिलीवरी से रोक लगाने के लिए पत्र लिखा है।

इस दिशा में दुर्ग पुलिस ने भी कंपनियों से आग्रह किया है कि वे इस तरह के हथियारों को बिना जांच-पड़ताल के न उपलब्ध करवाएं। यदि कोई संदिग्ध वस्तु लगे तो उसे डिलीवर न करें और तुरंत संबंधित थाने को सूचित करें।

राजेश और राजेन्द्र का चयन राज्य अलंकरण पुरस्कार हेतु

थानखम्हरिया। राज्य अलंकरण पुरस्कार - 2025 के लिये सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक क्षेत्र में योगदान के लिये रियल ग्रुप के चेयरमैन राजेश अग्रवाल को पं. रविशंकर शुक्ल सम्मान, सामाजिक समरसता के लिये राजेन्द्र अग्रवाल को महाराजा अग्रसेन सम्मान के लिये चयनित किये जाने पर स्थानीय अग्रवाल समाज ने प्रसन्नता व्यक्त की है। राजेश अग्रवाल छ.ग. के औद्योगिक स्तंभ हैं। डबल एम. ए. तथा विज्ञान स्नातक राजेश अग्रवाल ने स्टील, पावर और इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन लाकर राज्य को आर्थिक गति प्रदान की। राजेन्द्र अग्रवाल ने बिलासपुर अग्रवाल समाज के विकास में अथक योगदान दिया। समाज की इन दोनों हस्तियों के चयन से नगर का अग्रवाल समाज गौरवान्वित है। समाज के

राजेश अग्रवाल ● फाइल

राजेंद्र अग्रवाल ● फाइल

अनिल सिंघानिया, पुरूषोत्तम अग्रवाल, चंदन अग्रवाल, आशीष बंसल, कचरू अग्रवाल, गौरव बिंदल, साकेत सिंघानिया, हरिश्चंद्र डोकानिया, यशेष अग्रवाल, साकेत अग्रवाल, शुभम केडिया, मुन्ना सिंघानिया, निखिल अग्रवाल आदि ने खुशी जाहिर करते हुये दोनों अग्रजनों को बधाई दी है।

सरकार बदल गई लेकिन दुर्भाग्य गो वंश की हालत नहीं सुधरी

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थानखम्हरिया। बेमेतरा जिला सहित प्रदेश में गो वंश की स्थिति दयनीय है। सरकार बदल गई, छ.ग. राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष बदल गए लेकिन गौवंश की स्थिति जस की तस बनी हुई है। कुछ गौशालाओं को छोड़कर अधिकांश में गौ वंश की हालत खराब है। अधिकांश गौशालाओं में क्षमता से अधिक गौ वंश, चारा - भूसा की कमी, सुविधाओं का अभाव, उचित रखरखाव, देखभाल न होने से गौवंश की हालत नाजुक है। झाल में गौ अभ्यारण के नाम से अधिकारी अपनी जेब गर्म कर रहे हैं। यह भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया है। अध्यक्ष अपने में मस्त हैं संचालकों की सुध लेने की चिंता किसी को नहीं है। गौशाला के संचालक परेशान हैं। महंगाई के जमाने में पशु आहार, कुट्टी, पैरा का भाव अत्यधिक होने के कारण गौशाला

गो अभ्यारण बनने के बाद भी किसानों की समस्या का नहीं हुआ समाधान

संचालकों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप कार्य नहीं हो पा रहा है। गायों के संवर्धन के लिए प्रदेश सरकार में योजनाएं तो बन रही हैं लेकिन जमीनी स्तर पर काम नहीं हो रहा है। जिले के झाल में बनाया गया प्रदेश का पहला गौ अभ्यारण बदहाली के आंसू रो रहा है। गौ अभ्यारण का लाभ क्षेत्र के ग्रामीणों, किसानों को नहीं मिल रहा है। अभ्यारण पूरी तरह बंजर जमीन में तब्दील है। इधर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बहुत उत्साह के साथ झाल में गो अभ्यारण के विकास की बात कही थी लेकिन वह भी ठंडे बस्ते में चली गई। पहले की तरह आज भी गायें सड़कों में बैठी नजर आ रही हैं। सैकड़ों गायों की गौठानों में सड़कों में दुर्घटना से मौत हो रही है लेकिन जवाबदार नेता जनप्रतिनिधि मौन बैठे है। गौशालाओं को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने गौ सेवा आयोग की स्थापना की लेकिन यह भी फिसड्डी साबित हो रही है। अभी तक अध्यक्ष के अलावा सदस्यों की नियुक्ति नहीं की गई है जिसके कारण शासन की योजनाएं लंबित पड़ी हैं।

राज्योत्सव के दूसरे दिन आरु साहू की मनमोहक प्रस्तुति से गूंजा बेमेतरा

छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति, गीत और नृत्य से सजा ऐतिहासिक बेसिक स्कूल मैदान

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अंतर्गत जिले के ऐतिहासिक बेसिक स्कूल मैदान में चल रहे तीन दिवसीय राज्योत्सव के दूसरे दिन का आयोजन सांस्कृतिक रंगों से सराबोर रहा। छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, कला और संगीत की अनूठी छटा ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर प्रदेश की लोकप्रिय लोकगायिका आरु साहू ने अपनी मधुर आवाज़ और छत्तीसगढ़ी गीतों की धुनों से ऐसा वातावरण बनाया कि पूरा मैदान तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। उनके साथ मंच पर उपस्थित टीम ने लोकवाद्य और पारंपरिक नृत्य की प्रस्तुति देकर पूरे माहौल को उत्सवमय बना दिया।

आरु साहू ने मोला मया देदे रे मितवा, छत्तीसगढ़ हमर मया माटी जैसे प्रसिद्ध गीत प्रस्तुत किए, जिन पर दर्शक झूम उठे। उनकी प्रस्तुतियों ने छत्तीसगढ़ की लोक आत्मा और परंपराओं की सुंदर झलक पेश की। कार्यक्रम को देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ी रही। बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग सभी राज्योत्सव की सांस्कृतिक शाम का आनंद लेने पहुंचे। स्टेज के आसपास उत्साह का माहौल देखने लायक था। राज्योत्सव के दौरान जिला प्रशासन द्वारा स्थानीय कलाकारों को भी मंच प्रदान किया गया। विभिन्न विद्यालयों के छात्र-

छात्राओं ने लोकनृत्य, देशभक्ति गीत और पारंपरिक झांकी प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। विभागीय स्टॉलों में विकास की झलक दिखाते प्रदर्शनों को भी नागरिकों ने बड़ी रुचि से देखा।

जिला प्रशासन ने पूरे आयोजन स्थल पर सुव्यवस्थित प्रबंधन किया — सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, साफ-सफाई और प्रकाश व्यवस्था की प्रशंसा लोगों ने की। राज्योत्सव का यह दूसरा दिन बेमेतरा जिले के लिए यादगार बन गया, जहां एक ओर छत्तीसगढ़ी संस्कृति की आत्मा जीवंत हुई, वहीं दूसरी ओर कलाकारों की प्रतिभा ने यह संदेश दिया कि छत्तीसगढ़ की माटी में कला और संस्कृति की परंपरा आज भी उतनी ही जीवंत है जितनी पहले थी।

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों से गूंजा बेमेतरा का ऐतिहासिक बेसिक स्कूल मैदान

छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस महोत्सव 2025 के अवसर पर आज जिला मुख्यालय बेमेतरा के ऐतिहासिक बेसिक स्कूल मैदान में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। संध्या 4 बजे से शुरू हुए कार्यक्रमों में स्कूली बच्चों ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती शिशु मंदिर नवागढ़ के बच्चों द्वारा 'जय हो मैया शारदे' भजन से हुई, जिसके बाद सेजेस बेमेतरा के विद्यार्थियों ने 'जोहार बूढ़ादेव पर छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य प्रस्तुत किया। इसी क्रम में सेजेस नांदघाट ने 'हाथे डाला लोर गे रे' गीत पर नृत्य कर तालियां बटोरीं। सरस्वती शिशु मंदिर बेमेतरा के 'पंछी नृत्य' और इंडियन पब्लिक स्कूल की 'बारहमासी त्यौहार (मोर छत्तीसगढ़)' प्रस्तुति ने राज्य की संस्कृति की झलक बिखेरी। नवोदय विद्यालय ने 'रिमिक्स छत्तीसगढ़ी गाना' पर प्रस्तुति दी, वहीं सेजेस ठेलका के छात्रों ने 'मुहूआ झरे' और सेजेस साजा ने 'आदिवासी करमा नृत्य' से छत्तीसगढ़ी परंपराओं की सुंदर छवि पेश की। सेजेस सिंघौरी (इंग्लिश मीडियम) की 'सोनचिरैया' और सेजेस हसदा के 'बस्तरिया गीत' ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। शाम 5 बजे से श्री सनावर खान एवं द्युति साहू द्वारा मनमोहक कथक प्रस्तुति दी गई, जिसके बाद इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ की टीम ने अपनी शानदार प्रस्तुति से राज्योत्सव की शाम को भव्यता प्रदान की। शाम 6 बजे से अतिथियों का स्वागत और प्रशस्ति पत्र व ट्रॉफी वितरण हुआ। तत्पश्चात शाम 6ः10 बजे से मुख्य सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति आरु साहू द्वारा दी गई, जिनकी मधुर आवाज़ से पूरा मैदान छत्तीसगढ़ी लोकसंगीत के रंग में रंग गया। राज्योत्सव महोत्सव के दूसरे दिन आयोजित इन प्रस्तुतियों में छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोककला, नृत्य, संगीत और परंपराओं की झलक दिखी। दर्शकों की भारी भीड़ ने हर प्रस्तुति का उत्साहपूर्वक स्वागत किया और तालियों की गड़गड़ाहट से कलाकारों का मनोबल बढ़ाया।

सिख समाज द्वारा भव्य शोभायात्रा का आयोजन

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। भाटापारा में प्रकाश पर्व के शुभ अवसर पर सिख समाज द्वारा भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। नगर में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का वातावरण व्याप्त रहा। शोभायात्रा का नगरवासियों द्वारा श्रद्धापूर्वक स्वागत किया गया तथा गुरु नानक देव जी के चरणों में मत्था टेककर आशीर्वाद प्राप्त किया गया।

गुरु नानक देव जी का जीवन संदेश सम्पूर्ण मानवता के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके उपदेश —

जहाँ प्रेम है, वहीं परमात्मा है;

जहाँ सेवा है, वहीं सच्ची भक्ति है।

आज भी समाज में एकता, करुणा और सेवा भावना को जागृत करते हैं।

प्रकाश पर्व के इस पावन अवसर पर सभी से आह्वान किया गया कि वे गुरु नानक देव जी के उपदेशों को

अपने जीवन में अपनाकर समाज में प्रेम, सद्भावना और सेवा की भावना को सशक्त करें। इस अवसर पर पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा एवं नगर पालिका अध्यक्ष श्री अश्वनी शर्मा ने भी शोभायात्रा में सम्मिलित होकर श्रद्धा एवं भक्ति भाव से मत्था टेक आशीर्वाद प्राप्त किया तथा नगरवासियों को प्रकाश पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा ने कहा कि गुरु नानक देव जी का जीवन दर्शन मानवता के कल्याण का संदेश देता है। उनके उपदेश हमें प्रेम, समानता और सेवा का मार्ग दिखाते हैं। हमें उनके दिखाए हुए मार्ग पर चलकर समाज में एकता, भाईचारा और शांति का वातावरण बनाना चाहिए। नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा कि गुरु नानक देव जी के उपदेश हमें सिखाते हैं कि जहाँ प्रेम है वहीं परमात्मा है, और जहाँ सेवा है वहीं सच्ची भक्ति है। हम सबको उनके दिखाए मार्ग पर चलकर समाज में प्रेम, शांति और भाईचारे का संदेश फैलाना चाहिए। साथ में पूर्व जिलामहामंत्री राकेश तिवारी, महाबल बघेल, मंडल अध्यक्ष योगेश अनंत, महामंत्री उमाशंकर वर्मा, गोपाल देवांगन, युवामोर्चा अध्यक्ष आशीष टोडर, सभापति सतीश तलरेजा, दशरथ साहू, भुवन सिंह, पार्षदगण नंदु वैष्णव, सतीश साहू, राजेश साहू, लिकेश साहू, मनीष पंजवानी, राजा कमनानी, मनिन्दर सिंह गुम्बर, काके थदवानी, सलीम खान, आयेशा खान, नीरा साहू, मधु सोनी, तनुजा धृतलहरे, अंजनी जायसवाल एवं समस्त कार्यकर्ता गण मौजूद रहे।

मोथा के कारण भाटापारा क्षेत्र में फसल कटाई कार्य पिछड़ा

लोग अब खेत गीला होने के कारण हार्वेस्टर के बजायें हाथ में हंसिया लेकर खेत पहुंचे

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। मोथा तूफान व हल्की बारिश के कारण भाटापारा क्षेत्र के सैकड़ो किसानों के धान की फसल को नुकसान पहुंचा है व क्षेत्र के अधिकतर गांव से धान की फसल को नुकसान पहुंचने की लगातार खबर पहुंच रही है। चक्रवाती तुफान मोथा के कारण दीपावली पर्व के दस दिन बाद भी मौसम के साफ नहीं होने से तथा हल्की बूंदा - बांदी से किसानों के शत प्रतिशत फसल के तैयार होने व फसल कटाई के अरमानों पर पानी फिर गया है । अधिकांश किसानों की फसल हवा पानी के चलते खेत में सो गई है वही बहुत से किसान के खेत में खेत गीला होने के कारण फसल कटाई हार्वेस्टर मशीन को ले जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है । फलस्वरूप किसान अपनी फसल कटाई पुरानी पद्धति हाथ में हसिया से लुआई - कटाई करने की ओर आगे बढ रहें है । ग्रामीण क्षेत्र के अनेक किसानों के देर से पकने वाले धान की प्रजाति को भी नुकसान पहुंचा है क्योकि उक्त धान की बाली अभी निकल रही थी कि हल्की हवा व पानी ने उन्हें गिरने पर खेत में ही मजबुर कर दिया है फलस्वरूप धान की बाली खेत के गीले हिस्से में गिरने व कुछ धान फसल के खड़े रहने के बावजूद उसमें बदरा किस्म के धान उत्पन्न हो रहें है वहीं गांव में स्थित अधिकतर खेतो में नमी के

चलते कीट प्रकोप का असर देखने को मिल रहा है । भाटापारा शहर के बाजार में धड़ल्ले से बिक रहें कीट नाशक दवाईयों के आकड़ों से पता चलता है कि अधिकांश खेतो के फसल पर अब कीटों का हमला हो चूका है वहीं गांव में खेती - किसानी का अंतिम चरण फसल कटाई का काम मौसम के खुलने के इंतजार में लगातार पिछड़ते जा रहा है । क्षेत्र में हरियाणा राज्य से हार्वेस्टर की बड़ी गाड़ी लेकर भाटापारा क्षेत्र में पहुंचे लोगो को किराये से फसल कटाई करने के काम में पर्याप्त काम नही मिल पा रहा है फलस्वरूप फसल कटाई करने वाले दर्जनों हार्वेस्टर वाहनों के पहिये थम गये है क ई जगह तो हार्वेस्टर वाले खुद किसानों को मना कर रहे है कि अभी खेत गीला है हमारा वाहन वहा पर फस जायेगा इधर क्षेत्र में 15 दिन बाद शुरू होने वाले धान खरीदी के कार्य में धान खरीदी केन्द्र में तैयारी जारी है लेकिन विपरित मौसम के कारण वहां भी शुरूवाती 15 नवंबर से बड़े पैमाने पर नये धान पहुंचने की संभावना क्षीण हो गई है । क्षेत्र के वर्षा व तुफान पीड़ित किसानों ने अपनी फसल क्षति पर शासन प्रशासन से मुआवजा की मांग की है ।

भाटापारा शहर में छोटे नोट की भारी कमी से लेनदेन में अड़चन

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। नगर में एक बार फिर दस बीस व पाँच रूपये के नोटों की भारी किल्लत शुरू हो गई है कुछ अर्से पूर्व शहर से 50 वर्ष पुरानी स्टेट बैंक की शाखा में स्थापित चेस्ट को अन्यत्र हटाये जाने के कारण नगरवासी नये नोट सहित खुदरा नोट के लिए भटक रहें है दीपावली जैसे मुख्य त्यौहार में भी शहर में नयें नोट का वितरण किसी भी बैंकों द्वारा नही किया गया जिससे लोग नाराज व मायूस है जबकि इसके पूर्व भाटापारा में चेस्ट सुविधा होने से लोगो को बात - बात में नये नोट मिल जाते थे खासकर दीपावली पूजन व शादि विवाह के समारोह में लोग नयें नोट की आशा करते है लेकिन अब किसी भी समय भाटापारा में नयें नोट के उपलब्धता नहीं होने से खुले बाजार में भी इसका असर दिखने लगा है। पाँच , दस , बीस रूपयें के नोट की कमी के कारण लोगो क ो लेनदेन में परेशानी से दो- चार होना पड़ रहा है। सब्जी बाजार , किराना व्यवसाय में अनेक चिल्हर नोट के कमी के कारण लोगो को न चाहते हुए भी हिसाब किताब पुरा करने के लिए जबरन कुछ भी अन्य सामान लेना पड़ रहा है। चिल्हर नोटों की कमी के कारण सर्वाधिक परेशानी रेल व बस में सफर करने वाले यात्रियों को उठाना पड़ रहा है इस चक्कर में अनेक बार ज्यादा पैसा अपने किरायें का देना पड़ रहा है । ट्रेन आ जाने के समय टिकट लेने पहुंचे रेल यात्रियों को टिकट लेने से लेकर टे:न में चढने के बीच इतनी

हड़बड़ी रहती है कि वे चिल्हर खोजने के बजाये अधिक किराये का भुगतान कर टिकट लेकर टे:न में सफर करने मजबुर हो रहे है वही यात्री बसों में भी चिल्हर नोट के अभाव में यात्रियों को मजबुरी में कंडक्टरों के पास ज्यादा पैसा छोड़ना पड़ रहा है । जनहित में भाटापारा शहर में सभी छोटे बड़े दुकानदारों को घुम घुमकर पाँच , दस व बीस रूपयें के नोट का वितरण करना चाहिए , अभी केवल बड़े उद्योगपति व व्यापारियों को कभी कभार चिल्हर नोट गोपनीय रूप से दे दिया जाता है जिसे वे अपनी तिजोरी में कैद कर रख देते है फलस्वरूप आम लोगो तक चिल्हर नोट नहीं पहुंच पा रहा है।

ब्रह्माकुमारी पूनम बहन का प्रवचन - तनावमुक्त जीवन पर भव्य आयोजन

ब्यूरो चीफ अनिल सिंघानिया

बेमेतरा। कृषि उपज मंडी परिसर में ब्रह्माकुमारी संस्था की प्रख्यात तनावमुक्त जीवन विशेषज्ञ पूनम बहन (सी.एस., कम्पनी सेक्रेटरी) के प्रवचन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

इस अवसर पर सांसद विजय बघेल, विधायक दीपेश साहू, प्रहलाद रजक (अध्यक्ष, छ.ग. रजककार विकास बोर्ड), कल्पना योगेश तिवारी (अध्यक्ष, पंचायत बेमेतरा), विजय सिन्हा (अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद बेमेतरा) तथा अजय साहू (भाजपा जिलाध्यक्ष) अनिल सिंघानिया,पुरुषोत्तम अग्रवाल,शैलेश सिंघानिया, गोपाल अग्रवाल,मनजीत सिंह जी प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। ब्रह्माकुमारी पूनम बहन ने सभी अतिथियों का स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

अपने उद्बोधन में सांसद विजय बघेल ने कहा कि ओम शांति केवल एक शब्द नहीं, बल्कि यह आत्मशांति और सकारात्मक जीवन का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान विश्व के अनेक देशों में भारतीय संस्कृति, मातृत्व और आत्मिक मूल्यों का प्रसार कर रहा है। पूनम दीदी के प्रवचन से मन की अशांति दूर होती है और जीवन में नयी ऊर्जा मिलती है।

उन्होंने आगे कहा कि जब भी समय मिलता है, मैं सेक्टर-7 स्थित केंद्र में जाकर दीदी से आशीर्वाद प्राप्त करता हूं। उन्होंने छत्तीसगढ़ ही नहीं, पूरे विश्व में शांति और आत्मबल का संदेश पहुंचाया है।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिक, महिलाएं एवं युवक-युवतियाँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन ओम शांति के मंत्रोच्चार के साथ हुआ।

एकादशी पर तांत्रिक का झांसा-

11 लाख लेकर गिरोह फरार, कहा – 11 करोड़ बना दूंगी

ब्यूरो चीफ रतन कुमार

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में महाराष्ट्र की महिला तांत्रिक ने 11 लाख के 11 करोड़ बना दूंगी बोलकर 1 लाख की ठगी की। एकादशी के दिन तंत्र-मंत्र विधि से पूजा की। नींबू और सिंदूर नहीं होने की बात बोलकर युवक को बाजार भेजे, फिर 1 लाख रुपए कैश लेकर भाग गए। मामला पुलगांव थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक पीड़ित का नाम रामकुमार जायसवाल है, जो कि पेशे से ड्राइवर है। आर्थिक तंगी और जल्दी अमीर बनने के चक्कर में उसने दोस्त से मदद मांगी थी। दोस्त ने महिला तांत्रिक का नंबर दिया। महिला ने मौके का फायदा उठाकर गिरोह के साथ ठगी की वारदात को अंजाम दिया। जानिए क्या है पूरा मामला ?

दरअसल, रामकुमार जायसवाल आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। उसने अपने दोस्त राजू से मदद मांगी। दोस्त ने रामकुमार को महाराष्ट्र के छोटू नाम के व्यक्ति का नंबर दिया। साथ ही महिला तांत्रिक मंदा पासवान का नंबर दिया। दोस्त को बताया कि ये चमत्कारी पूजा कर पैसा 100 गुना बढ़ा देते हैं।

महिला तांत्रिक और छोटू ने कई लोगों का पैसा बढ़ाया है। तुम्हारा भी बढ़ा देंगे। मंदा पासवान ने ड्राइवर को

भरोसे में लेकर कहा कि वह उसके 11 लाख रुपए को 11 करोड़ बना सकती है। इस सौदे पर सहमति बनी और मंदा पासवान ने दुर्ग आने का वादा किया।

एकादशी के दिन पहुंचे दुर्ग

1 नवंबर की शाम यानी एकादशी के दिन मंदा पासवान अपने 2 साथियों के साथ अर्टिगा कार से दुर्ग पहुंची। उसने रामकुमार को कॉल किया और खुद को बस स्टैंड पर बताया। रामकुमार वहां पहुंचा तो उसे मंदा और उसके 2 साथी कार में बैठे मिले। तीनों को वह अपने मालिक के खाली ट्रेनिंग सेंटर में पूजा के लिए ले गया। इस दौरान आरोपियों ने युवक से पूजा का सामान, 2 मटका चावल, आटा और अन्य सामान मंगवाया। शर्त रखी कि अगर ये सभी सामान होंगे, तभी चमत्कार होगा। साथ ही जब वह पूरे एक लाख रुपए सामने रखेगा।

महिला तांत्रिक ने युवक से कहा कि 1 लाख के 1 करोड़ बनेंगे, कैश को मटके में डाल दो। ये 100 गुना हो जाएगा। ड्राइवर ने उनके कहे मुताबिक पूरे पैसे रख दिए। इसके बाद आरोपियों ने सिंदूर की 5 डिब्बियां और नींबू लाने के लिए बाहर भेजा। सामान लेकर लौटा तो हो चुके थे फरार युवक जब नींबू और सिंदूर लेकर वापस लौटा, तब तक तीनों पैसे लेकर फरार हो चुके थे। इसके बाद वो फौरन थाने पहुंचा और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। तकनीकी निगरानी और सुराग के आधार पर पुलिस ने शिवनाथ नदी पुल के पास महाराष्ट्र पासिंग कार को रोका।

इस दौरान पुलिस को कार में तीनों आरोपी सवार मिले। शिवनाथ नदी पुल से आरोपियों को हिरासत में लिया गया। आरोपियों को थाने लाकर पूछताछ की गई। इस दौरान आरोपियों ने 1 लाख रुपए ठगी करने का जुर्म स्वीकार किया। महाराष्ट्र के रहने वाले हैं तीनों आरोपी

ASP सुखनंदन राठौर ने बताया कि महाराष्ट्र के यवतमाल निवासी महिला मंदा पासवान उर्फ ??मंदा थमके उर्फ ??मंदा वाघमारे (42), अमरदीप प्रहलाद दामोदर (34) और संजय विलास जमुना (28) को गिरफ्तार किया गया। मामला दर्ज कर कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने तीनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

ASP ने बताया कि आरोपियों के पास से 7 मोबाइल फोन, एक कार और धोखाधड़ी की 1 लाख रुपए की रकम भी बरामद की है। महाराष्ट्र में भी इनके खिलाफ कई ठगी और धोखाधड़ी के केस दर्ज हैं। यह गैंग लगातार राज्य बदल-बदलकर भोले-भाले लोगों को पैसा बढ़ाने की तंत्र विद्या के नाम पर फंसाता था।

जमानत पर बाहर है मुख्य आरोपी

ASP सुखनंदन राठौर ने बताया कि आरोपी पूजा का नाटक रचते थे और भोले-भाले लोगों से मोटी रकम ऐंठकर फरार हो जाते थे। गिरफ्तार गिरोह महाराष्ट्र के यवतमाल का है, जिसके खिलाफ पहले से ही डकैती समेत कई आपराधिक केस दर्ज हैं।

मुख्य आरोपी महिला मंदा पासवान डकैती के मामले में पहले से जमानत पर है, जबकि बाकी आरोपी भी डकैती में फरार आरोपी हैं। महाराष्ट्र में भी इनके खिलाफ कई ठगी और धोखाधड़ी के केस दर्ज हैं। यह गैंग लगातार राज्य बदल-बदलकर भोले-भाले लोगों को पैसा बढ़ाने की तंत्र विद्या के नाम पर फंसाता था।

बालको में इंडियन कॉफी हाउस का शुभारंभ

बालकोनगर । भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार ने बालकोनगर में नवस्थापित इंडियन कॉफी हाउस (आईसीएच) का शुभारंभ किया। स्वाद, गुणवत्ता और परंपरा के लिए प्रसिद्ध इंडियन कॉफी हाउस का यह नया आउटलेट अब बालको परिवार और नगरवासियों के लिए एक नया आकर्षण केंद्र बन गया है।

नया कॉफी हाउस आधुनिक एवं सौंदर्यपूर्ण वातावरण में निर्मित है, जो टाउनशिप के निवासियों, कर्मचारियों और आगंतुकों के लिए अनौपचारिक मुलाकातों और सामाजिक मेलजोल का एक सुकून भरा स्थल प्रदान करता है। यहाँ पारंपरिक भारतीय कॉफी के साथ-साथ विविध स्नैक्स और लज़ीज़ व्यंजन उपलब्ध हैं, जो सभी नगरवासियों को आकर्षित करते हैं।

बालको सीईओ श्री राजेश कुमार ने कहा कि बालको सदैव अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के जीवन में सुविधा, आराम और सामुदायिक भावना को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। इंडियन कॉफी हाउस का यह नया केंद्र न केवल स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद देगा, बल्कि लोगों के बीच आपसी संवाद और जुड़ाव का एक मंच भी बनेगा।

बालको प्रबंधन सदैव अपने टाउनशिप को बेहतर बनाए रखने हेतु विभिन्न नागरिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए प्रयासरत रहा है। नेहरू पार्क परिसर, बालको स्टेडियम, आधुनिक अस्पताल, विद्यालय तथा अन्य नागरिक सुविधाएँ नगर के जीवन को समृद्ध बनाती हैं। इन्हीं प्रयासों की कड़ी में स्थापित नया इंडियन कॉफी हाउस न केवल बालकोनगर के सामाजिक ताने-बाने को और मजबूत करेगा, बल्कि कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के दैनिक जीवन में सहजता, सुकून और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हुए नगर की सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को नई गति प्रदान करेगा।

इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया भावपूर्ण श्रद्धांजलि समारोह

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थानखम्हरिया। मां कुमारी देवी चौबे क्लब के तत्वाधान में देश की पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें भावपूर्वक याद किया। स्थानीय गांधी चौक में आयोजित कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने इंदिरा गांधी के तैल-चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके ऐतिहासिक योगदान, अदम्य साहस और राष्ट्र की

एकता-अखंडता के लिए किए गए समर्पण को स्मरण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि इंदिरा गांधी सिर्फ एक राजनीतिक व्यक्तित्व नहीं थीं, बल्कि दृढ़ इच्छाशक्ति, निर्णायक नेतृत्व और देशहित को सर्वोपरि रखने वाली ऐसी महान नेता थीं, जिनका बलिदान राष्ट्र कभी भुला नहीं सकता। उन्होंने संकट के समय देश को सशक्त दिशा दी और राष्ट्रीय सुरक्षा, विकास तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा को मजबूत किया। श्रद्धांजलि सभा में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जितेंद्र उपाध्याय, मनहरण सिन्हा, रोशन सिन्हा, सतीश जोशी, पार्षद करीम बेग, वीरेंद्र सिन्हा, दुर्गेश रात्रे, गणेश मंडावी, माजीद खान, नरेश पटेल, राजू साहू, सनत ठाकुर, लवकुश राजपूत, चंद्रशेखर साहू, रामकुमार सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि इंदिरा गांधी के आदर्श एवं देशभक्ति आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे।

श्री रामकृष्ण गौशाला में मनाया गया गोपाष्टमी पर्व

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थानखम्हरिया। नगर के श्री रामकृष्ण गौशाला में गोपाष्टमी पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। गौ माताओं का पूजन - अर्चन कर आरती की गयी। सभी गौधन को खिचड़ी खिलायी गयी। श्री रामहर्षण कुंज साजा के महंत पूज्य वैष्णवदास जी ने गौ माता की महिमा पर प्रकाश डालते हुये कहा गौ माता धरती पर साक्षात भगवान का स्वरूप है। गौ माता में तैतीस करोड़ देवी - देवताओं का वास होता है। सनातन समाज के सभी पूजा, पाठ, अनुष्ठान एवं धार्मिक कार्यों में गौ माता के दूध, घृत, गोबर की आवश्यता होती है। महर्षि वशिष्ठ का कामधेनु के लिये प्राणों की बाजी लगाना, महर्षि च्यवन का अपने शरीर के बदले नहुष का चक्रवर्ति राज्य ठुकरा कर एक गाय का मूल्य निश्चित करना जैसे प्रसंग दर्शाते हैं कि गाय से बढ़कर उपकार

करने वाला अन्य कोई जीव संसार में नहीं है। यह माता के समान मानव जाति का उपकार करने वाली दीर्घायु और निरोगता प्रदान करने वाली है। इसीलिये शास्त्र में कहा गया है गावो विश्वस्य मातरः अर्थात् गाय विश्व की माता है। महाराज जी ने कहा गायें परम पवित्र और मांगलिक हैं। गाय का गोबर और मूत्र दरिद्रता दूर करता है। गो ग्रास देने वाला महान सद्गति को पाता है गाय के स्पर्श से पाप नष्ट होते हैं। कार्यक्रम में महंत बसंत बिहारी दास एवं महंत वैष्णवदास जी का गौ माता की प्रतिमा एवं श्रीफल देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर जगमोहन जायसवाल, भीखम दास वैष्णव, राजेंद्र बिंदल, निर्मल केडिया, फागुराम सिन्हा, सरिता जैन, महेश दुबे, राकेश जोशी, देवानंद त्रिपाठी, जितेन्द्र साहू, रोशन लाल साहू, प्रेम परमार, मनीष सेन, संतोष पांडे, जसवंत पाटिल, प्राचार्य लखन लाल साहू, आयुष वैष्णव सहित सभी गौशाला के सदस्य गण उपस्थित थे।

धान खरीदी से पहले ही सहकारी समिति कर्मचारी संघ की अनिश्चितकालीन हड़ताल

दुर्ग संभाग में कामकाज ठप

ब्यूरो चीफ रतन कुमार

दुर्ग। आगामी धान खरीदी सीजन शुरू होने से पहले ही सहकारी समिति कर्मचारी संघ ने अपनी चार सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। हड़ताल के चलते दुर्ग संभाग की सभी सहकारी समितियों में कामकाज ठप हो गया है। कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि वर्षों से लंबित मांगों पर सरकार ने ध्यान नहीं दिया, जिससे मजबूरन उन्हें यह कदम उठाना पड़ा। कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि उन्होंने कई बार शासन-प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर वेतनमान, स्थायीकरण और पदोन्नति संबंधी मुद्दों पर ध्यान देने की मांग की थी, लेकिन जब तक ठोस निर्णय नहीं लिया जाएगा, आंदोलन जारी रहेगा। इस हड़ताल का सीधा असर आने वाली धान खरीदी व्यवस्था पर पड़ने की संभावना जताई जा रही है, क्योंकि समितियों के माध्यम से ही किसानों से धान की खरीदी की जाती है। यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो किसानों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

जिले में खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने नकली दवाओं के निर्माण में लगाई रोक

नरेंद्र कुमार सेन गरियाबंद

गरियाबंद। खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम द्वारा नकली दवाओं की रोकथाम के लिए निरंतर निरीक्षण एवं सघन अभियान चलाया जा रहा हैं। इसी कड़ी में औषधि बेस्टो कॉफ ड्राई कॉफ फार्मूला जिसमे बैच नंबर, निर्माण तिथि एवं एक्सपायरी तिथि वर्णित नहीं था। जिसका नमूना संकलन औषधि निरीक्षक द्वारा किया गया। इसके जांच के लिए औषधि परिक्षण प्रयोगशाला रायपुर भेजा गया था। जिसे जाँच उपरांत अवमानक घोषित किया गया। इस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए औषधि के लेबल में लिखित निर्माता फर्म से पत्रचार किया गया। जिसमें पता चला कि इस औषधि के लेबल में वर्णित निर्माता फर्म के द्वारा इसे विनिर्मित नहीं किया गया है एवं यह औषधि नकली औषधि है। जिस पर विवेचना करते हुए आज कुलेश्वर मेडिकल एंड जनरल स्टोर्स के संचालक सीताराम साहू को औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 के प्रावधानों के अंतर्गत गिरफ्तार किया गया।

गौरी गौरा कार्यक्रम में अश्वनी शर्मा शामिल हुए

भाटापारा। नगर में देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर आयोजित गौरा-गौरी पूजन विभिन्न वार्डों — मुंशी स्माइल वार्ड रामसागर वार्ड, नयागंज वार्ड में श्रद्धा और उत्साह के साथ पारंपरिक विधि-विधान से गौरा-गौरी महापूजन समारोह का आयोजन हुआ। जिसमें नगरवासी बड़ी संख्या में शामिल हुए और माता गौरा तथा भगवान शिव-पार्वती की आराधना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने सभी कार्यक्रमों में सहभागी होकर नगरवासियों को इस पावन पर्व की शुभकामनाएँ दीं और कहा कि ऐसे लोकपर्व हमारी संस्कृति की आत्मा हैं, जो समाज को एकता, सद्भाव और परंपरागत मूल्यों से जोड़ते हैं। उक्त कार्यक्रम में व्यासनारायण यदु, नरेंद्र यदु , नीरा साहू,रवि मानिकपूरी चंदन सेन,धन्नू यादव,प्रकाश भट्ट राहुल चंद्राकर राधे भाट नारू सेन शाकिर खान, विनय उपाध्याय,शैलेश दवे,जवाहर यदु,रवि साहू राजेश साहू,नवीन मिश्रा एवं वार्डवासी बड़ी संख्या में उपस्थित थें।

ऑटो चालक संघ ने मनाया छत्तीसगढ स्थापना दिवस

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस के अवसर पर शहर के छत्तीसगढ़ महतारी चौक पर ऑटो चालक संघ द्वारा भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा की उपस्थिति में ऑटो चालक संघ के सभी सदस्यों एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम से पूर्व ऑटो चालक संघ द्वारा निकाली गई आकर्षक ऑटो रैली ने पूरे शहर के वातावरण को माँ छत्तीसगढ़ महतारी के जयघोष और छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया के गर्व से गुंजायमान कर दिया । उक्त अवसर पर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने उपस्थित सभी नागरिकों एवं ऑटो चालक भाइयों को छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं

और कहा कि यह गौरवमयी दिवस हमें अपने प्रदेश की संस्कृति, भाईचारे और विकास के मार्ग को और सशक्त बनाने की प्रेरणा देता है। उक्त कार्यक्रम में बाबा चंद्रकांत यदु , शिव साहू, बोसु यदु, देवप्रसाद वर्मा,टिकेश साहू ,मनहरन पाल बल्लू पाल राजकुमार साहू राजेश कुर्रे सुनील साहू ओमप्रकाश डहरिया अश्वनी साहू पप्पू मानिकपुरी शिवा धृतलहरे योगेश यदु एवं अन्य लोग बड़ी तादाद में मौजूद थे ।

समग्र शिक्षा के अस्थाई शिक्षकों की राज्य प्रशासन से न्याय की मांग

दिव्यांग बच्चों की शिक्षा और विशेष शिक्षकों का भविष्य

ब्यूरो चीफ रतन कुमार

रायपुर। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1992 से ही दिव्यांग बच्चों की शिक्षा को विशेष महत्व दिया गया था। इस नीति में दिव्यांग बच्चों को समान अधिकार, संरक्षण और शिक्षा में भागीदारी सुनिश्चित करने की बात कही गई। साथ ही इनकी शिक्षा के लिए विशेष शिक्षकों की नियुक्ति का प्रावधान भी किया गया। बाद में नई शिक्षा नीति 2020 आई, लेकिन आज तक विशेष शिक्षकों की नियुक्ति को लेकर ठोस कदम नहीं उठाए गए।

वर्तमान में केवल समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत विकासखंड स्तर पर सीमित संख्या में विशेष शिक्षक कार्यरत हैं, जबकि दिव्यांगता की श्रेणियां बढ़कर 21 प्रकार हो चुकी हैं। इनमें दृष्टिबाधिता, श्रवणबाधिता, बौद्धिक अक्षमता, सेरेब्रल पाल्सी, बधिर-अंधता और ऑटिज्म जैसी स्थितियां शामिल हैं। इन सबके लिए प्रशिक्षित शिक्षकों की अनिवार्यता है।

सुप्रीम कोर्ट में गलत जानकारी

साल 2006 से छत्तीसगढ़ में श्रवणबाधित, दृष्टिबाधित और मानसिक दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष शिक्षकों की नियुक्ति का प्रावधान किया गया था। बाद में संख्या घटाकर प्रति विकासखंड मात्र दो कर दी गई। इस बीच छत्तीसगढ़ राज्य ने सुप्रीम कोर्ट में शपथ पत्र प्रस्तुत करते हुए पहले 23739 और बाद में 848 विशेष शिक्षकों की नियुक्ति का दावा किया। जबकि वित्त विभाग ने केवल 100 पदों की स्वीकृत देते हुए कैबिनेट में शामिल कर अतिशीघ्र भर्ती की कार्यवाही मेरिट के आधार पर निर्णय लिया गया।सबसे गंभीर तथ्य यह है कि राज्य ने यह जानकारी भी दी कि कोई विशेष शिक्षक संविदा या मानदेय पर कार्यरत नहीं है। जबकि वास्तविकता यह है कि वर्तमान में 155 बीआरपी (समावेशी शिक्षा) और 85 विशेष शिक्षक विकासखंड स्तर पर कार्यरत हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने राज्य को चेतावनी देते हुए पुन: सही शपथ पत्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कहा गया है कि यदि दोबारा गलत जानकारी दी गई तो निर्णय कोर्ट मित्र (Amicus Curiae) की रिपोर्ट के आधार पर होगा।

आश्रीताई प्रशिक्षित शिक्षक संघ छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ प्रदेश स्पेशल एजुकेटर संघ

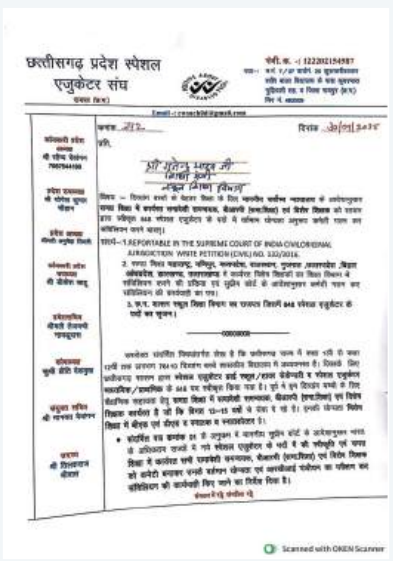
छत्तीसगढ़ प्रदेश स्पेशल एजुकेटर संघ

15-20 वर्षों से कार्यरत शिक्षकों के सामने संकट, सुप्रीम कोर्ट ने राज्य को सही जानकारी देने के निर्देश दिए

बच्चों की संख्या और शिक्षकों की कमी

आज छत्तीसगढ़ के शासकीय और अनुदान प्राप्त विद्यालयों में 76,926 दिव्यांग बच्चे अध्ययनरत हैं। भारत सरकार के राजपत्र के अनुसार प्राथमिक स्तर पर 10ः1 और माध्यमिक स्तर पर 15ः1 का शिक्षक-बच्चा अनुपात होना चाहिए, लेकिन राज्य में यह व्यवस्था बिल्कुल लागू नहीं है।

लर्निंग डिसेबिलिटी वाले बच्चे लगभग हर विद्यालय में पाए जाते हैं, जिनके लिए विशेष शिक्षकों की तत्काल जरूरत है। लेकिन वास्तविक स्थिति यह है कि अधिकांश विशेष शिक्षक विगत 15-20 वर्षों से मात्र 5000 मानदेय पर कार्य कर रहे हैं। इनमें से कई की आयुसीमा (Age Limit) पूरी हो चुकी है और उनके भविष्य पर संकट मंडरा रहा है।

शासन से अपेक्षाएँ

विशेष शिक्षकों की नियुक्ति और नियमितीकरण को लेकर अब राज्य सरकार को ठोस निर्णय लेना ही होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि -

1. 15-20 वर्षों से कार्यरत विशेष शिक्षकों का स्क्रीनिंग कमेटी द्वारा योग्यता सत्यापन कर नियमितीकरण किया जाए।
2. प्रत्येक विद्यालय में कम से कम एक विशेष शिक्षक अनिवार्य किया जाए।
3. दिव्यांग बच्चों की वास्तविक संख्या का सर्वेक्षण कर उसके अनुरूप शिक्षकों की नियुक्ति हो।
4. वर्षों से कार्यरत शिक्षकों को सेवा सुरक्षा और भविष्य की गारंटी मिले।

निष्कर्ष

आज हजारों दिव्यांग बच्चों की शिक्षा और पुनर्वास केवल इन विशेष शिक्षकों की मेहनत पर टिका है। यदि इन्हें अनदेखा किया गया तो समावेशी शिक्षा का सपना अधूरा रह जाएगा। शासन को चाहिए कि वह सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए विशेष शिक्षकों को सम्मान और स्थायित्व प्रदान करे। यही दिव्यांग बच्चों के उज्जवल भविष्य की सबसे मजबूत गारंटी है।

कलेक्टर बीएस उइके ने ली राष्ट्रीय एकता पदयात्रा के संबंध में पत्रकार वार्ता

कलेक्टर ने राष्ट्रीय एकता पदयात्रा में गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, मीडियाकर्मियों, अधिकारी-कर्मचारी एवं आमजन को शामिल होने की अपील की

नरेंद्र कुमार सेन गरियाबंद

गरियाबंद। कलेक्टर श्री बीएस उइके ने आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में राष्ट्रीय एकता पदयात्रा के संबंध में पत्रकार वार्ता ली। उन्होंने पत्रकार वार्ता में बताया कि लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के 150 जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर सुश्री नेहा भेंडिया, सहायक संचालक जनसम्पर्क श्री हेमनाथ सिदार सहित प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधिगण बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कलेक्टर ने बताया कि राष्ट्रीय एकता पदयात्रा का उद्देश्य लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के योगदान को नमन करने के साथ उनकी एकता की भावना को जन-जन तक पहुंचाना है। गरियाबंद जिले में एकता पदयात्रा का आयोजन शुक्रवार 07 नवम्बर को सुबह 9 बजे अटल चौक नागाबुड़ा से किया जाएगा और विभिन्न मार्गों से होते हुए गांधी मैदान गरियाबंद में सम्पन्न होगा। प्रत्येक स्थल पर देशभक्ति गीतों के साथ तिरंगा लेकर पदयात्रा निकाली जाएगी। इस दौरान सरदार वल्लभ भाई पटेल के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया जाएगा और देश के प्रति उनके योगदानों को याद किया जाएगा। युवाओं में राष्ट्रीय एकता, अनुशासन और सेवा भावना के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह पदयात्रा नागाबुड़ा के अटल चौक से होकर नहरगांव, कोकड़ी से होते हुए जिला मुख्यालय स्थित गांधी मैदान में सम्पन्न होगी। इसमें स्कूल, कॉलेज के छात्र-छात्राएं, जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, गणमान्य नागरिक, एनएसएस, एनसीसी, माय भारत वॉलिंटियर भाग सहित आम नागरिक शामिल होंगे। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के 150 जयंती के अवसर पर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी पदयात्रा के पूर्व स्कूल-कॉलेजों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। पदयात्रा के दौरान फिटनेस शिविर, नुक्कड़ नाटक, और नशा मुक्ति के लिए युवा शपथ कार्यक्रम भी होंगे। कार्यक्रम के दौरान एकता पदयात्रा के प्रतिभागियों हेतु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सामान्य स्वास्थ्य जांच, रक्तचाप परीक्षण, डायबिटीज टेस्ट और टीकाकरण जैसी सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इसके अतिरिक्त, पदयात्रा मार्ग में स्थित सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता अभियान भी चलाया जाएगा, ताकि एकता के साथ स्वच्छ भारत का संदेश दिया जा सके।

दाल मिल एसोशिएशन भाटापारा

की ओर से समस्त क्षेत्रवासियों को

दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं गुरूनानक जयंती की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

श्री नरेश आर्य जी

अध्यक्ष, दाल मिल एसोशिएशन, भाटापारा

संबंधों की चौखट पर एक दिया हमारी तरफ से भी....

विनीत : दाल मिल एसोसिएशन परिवार भाटापारा जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

प्रीमियम शराब दुकान के विरोध में युवा कांग्रेस एन एस यू आई ने किया धरना प्रदर्शन

धरना के बाद विधायक इन्द्र साव ने शराब दुकान में ताले जड़े , रेटलिस्ट का पोस्टर फाड़े

ब्यूरो चीफ संतोष साहू

भाटापारा। नगर में लगातार बिगड़ती कानून व्यवस्था, बढ़ती चाकूबाजी की घटनाओं, नशीली दवाओं एवं टेबलेट्स की खुलेआम बिक्री तथा नगर के हृदय स्थल पर नई खुली प्रिमियम शराब दुकान को बंद कराने की मांग को लेकर स्थानीय कांग्रेस विधायक इन्द्र साव, कांग्रेसजन एवं नगरवासियों ने शराब दुकान के सामने एकदिवसीय धरना प्रदर्शन कर प्रीमियम शराब दुकान में ताला बंदी किया।

धरने को संबोधित करते हुए विधायक इन्द्र साव ने कहा कि भाटापारा का शांत माहौल आज सरकार की नीतियों के कारण अशांत हो चुका है। प्रदेश में अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि आए दिन चाकूबाजी, लूट और नशे की घटनाएं सामने आ रही हैं। शासन-प्रशासन मौन दर्शक बना हुआ है। जनता असुरक्षित महसूस कर रही है और सरकार मूक दर्शक बनी बैठी है। अब जनता की सहनशक्ति जवाब

दे चुकी है। श्री साव ने आगे कहा कि जनविरोधी सरकार आम लोगों की पीड़ा नहीं समझती। नगर के बीचोंबीच प्रिमियम शराब दुकान खोलकर युवाओं को नशे की दलदल में धकेलने का प्रयास किया जा रहा है। जब तक यह दुकान बंद नहीं होगी, तब तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा। यह लड़ाई सिर्फ शराब के खिलाफ नहीं, बल्कि सरकार की संवेदनहीनता के खिलाफ है।

कार्यक्रम में उपस्थित जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुश्री सुमित्रा धृतलहरे ने अपने आक्रोशित शब्दों में

तीन घंटे शराब दुकान में की गई तालाबंदी

कहा कि भाटापारा की शांति और सादगी को सरकार ने नशे और अपराध के हवाले कर दिया है। प्रशासन केवल राजनैतिक दबाव में काम कर रहा है, जनता की आवाज को अनसुना किया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी जनता के साथ है और जब तक यह दुकान बंद नहीं होती, तब तक हमारी लड़ाई सड़क से सदन तक जारी रहेगी। धरना को सतीश अग्रवाल, राजकुमार शर्मा, आलोक मिश्रा, रोशन हबलानी,अरुण यदु, टेकसिंह ध्रुव, धनंजय तिवारी,दिवाकर मिश्रा, नानू सोनी, चंद्रशेखर चक्रधारी,मुकेश साहू, सत्यजीत शैंडे ने भी संबोधित किया।

दोपहर से चले धरना प्रदर्शन में शाम को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शराब दुकान में ताला जड़कर विरोध दर्ज कराया। शासन की ओर से किसी प्रकार का आश्वासन नहीं मिलने पर उपस्थित नगरवासियों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने निर्णय लिया कि यदि दुकान बंद नहीं होती, तो कार्तिक पूर्णिमा एवं श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के पश्चात प्रतिदिन शाम 5 बजे से रात 8 बजे तक शराब दुकान के सामने धरना जारी रहेगा।

धरने में भारी संख्या में कांग्रेसजन एवं नगरवासी उपस्थित रहे। इस दौरान जनसैलाब ने शराब दुकान बंद करो, जनविरोधी सरकार मुर्दाबाद, भाटापारा की शांति लौटाओ जैसे नारे लगाकर विरोध प्रदर्शन को और तेज किया। इस कार्यक्रम मे मुख्यरुप से सुशील शर्मा , शैली भाटिया, जीतेन्द्र शर्मा, जित्तू ठाकुर, मनमोहन कर्रे,किशन निर्मलकर, मोहन निषाद, शदाब जलियावाला, हरीश लहरे,विवेक यदु , रवि ध्रुव, रवि शर्मा, दीपक वर्मा, जीतू ठाकुर, दिनेश तिवारी , धनंजय कुर्रे , राजेंद्र वर्मा, अय्यूब खान सिमगा , ठाकुर राम साहू , गोविंदा देवदास बलराम जोशी, सोनू पटाक, साजिद खान ,सुनीता यादव , हरीश लहरे,शशांक बंजारे, गुलशन साहू, पुनीत मानिकपुरी, शशांक चौबे, आशा ध्रुव, दानी भाट, कुमारी जांगड़े, पूर्णिमा श्रीवास, निर्मला कौशले, सीमा रात्रे ,ज्योति जांगड़े, गणेश साहू, खोमेश साहू, कृष्णा केशरवानी, दीपक जांगड़े, प्रमोद पाल सहित एन एस यू आई ,यूथ कोंग्रेस,सेवादल, महिला कोंग्रेस के पदाधिकारी एवं आम नागरिक सैकड़ो की तादाद मे उपस्थित थे ।

युवा नशे के सौदागरों पर दुर्ग पुलिस का प्रहार- 8 तस्कर गिरफ्तार, 2400 से अधिक नशीली कैप्सूल जब्त

दुर्ग में ऑपरेशन विश्वास के तहत खुर्सीपार और पद्मनाभपुर में NDPS एक्ट की बड़ी कार्रवाई

ब्यूरो चीफ रतन कुमार

दुर्ग । जिले में युवा पीढ़ी को नशे के जाल से बचाने के लिए चलाए जा रहे पुलिस के %ऑपरेशन विश्वास% को आज एक बड़ी सफलता मिली। दुर्ग पुलिस ने खुर्सीपार और पद्मनाभपुर थाना क्षेत्रों में दो अलग-अलग कार्रवाइयों में 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो अवैध रूप से नशीली कैप्सूल और टेबलेट बेच रहे थे। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए आरोपियों के कब्जे से कुल 2415 नग नशीली कैप्सूल/टैबलेट जब्त की है।

खुर्सीपार में नशीली दवाओं का बड़ा जखीरा बरामद

खुर्सीपार पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि आईटीआई ग्राउंड के पास कुछ लोग नशीली कैप्सूल बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहे हैं। तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी और छह आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ा।

गिरफ्तार आरोपी- रजनीश पांडे (32), विपिन जेम्स (22), श्याम कन्हैया विश्वकर्मा (22), रणजीत राम (29), अभिजीत साहू (22) और अरबाज खान उर्फ बाबू।

बरामदगी- आरोपियों के पास से 2044 नग नशीली कैप्सूल, ?1300 नकद बिक्री रकम, 6 मोबाइल फोन, एक मोटरसाइकिल और एक टाइटन की घड़ी बरामद की गई।

सभी छह आरोपियों के खिलाफ थाना खुर्सीपार में एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

पद्मनाभपुर में ट्रामाडोल टेबलेट बेचते दो पकड़े गए

इसी तरह की एक अन्य कार्रवाई में, पद्मनाभपुर पुलिस ने मानस भवन के पीछे, रविशंकर स्टेडियम के पास नशीली दवा बेचने की सूचना पर त्वरित कार्रवाई की। पुलिस ने मौके पर फैजान अहमद (29) और साहिल कुमार यादव (18) को पकड़ा।

इनके कब्जे से ट्रामाडोल टेबलेट की 45 स्ट्रिप (कुल 371 नग कैप्सूल), ?1110 नकद बिक्री रकम, एक एक्टिवा स्कूटर और दो मोबाइल फोन जब्त किए गए।

दोनों आरोपियों पर पद्मनाभपुर थाने में NDPS एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें भी न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

उक्त दोनों महत्वपूर्ण कार्रवाइयों में खुर्सीपार और पद्मनाभपुर पुलिस की टीम ने सक्रियता दिखाते हुए नशा तस्करों के नेटवर्क पर प्रभावी रोक लगाई है।

नगर के प्रतिष्ठित व्यवसायी मुकेश सिंघानिया का आकस्मिक निधन, नगर में शोक की लहर

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थान खम्हरिया। नगर के प्रतिष्ठित व्यवसायी, मुकेश कृषि केंद्र के संचालक एवं नगर पंचायत खमरिया के प्रथम मनोनीत अध्यक्ष मुकेश सिंघानिया का 4 नवम्बर को बालाजी हॉस्पिटल में हृदय गति रुक जाने से आकस्मिक निधन हो गया। 60 वर्षीय सिंघानिया के निधन से नगर, व्यापारी वर्ग एवं समाज में गहरा शोक व्याप्त हो गया है।

सरल, सौम्य एवं व्यवहारकुशल व्यक्तित्व के धनी सिंघानिया राजनीति समझदारी और सामाजिक सरोकारों के लिए विशेष रूप से सम्मानित थे। वे लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। उनका अंतिम संस्कार मारवाड़ी मुक्ति धाम में किया गया, जहां बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, व्यापारी समुदाय एवं स्थानीय जन उपस्थित रहे।

उनके निधन पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री प्रेम प्रकाश पांडे, पूर्व कैबिनेट मंत्री रविंद्र चौबे, दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल, पूर्व विधायक लाभचंद बाफना सहित कई जनप्रतिनिधियों ने गहरा दु:ख व्यक्त किया। मुकेश सिंघानिया अपने पीछे पत्नी, दो पुत्र प्रखर एवं निखर सिंघानिया, अनुज संतोष सिंघानिया तथा भतीजे शिखर सिंघानिया सहित शोकाकुल परिवार छोड़ गए हैं।

नगर के सामाजिक एवं व्यावसायिक क्षेत्र में उनकी कमी लंबे समय तक महसूस की जाती रहेगी।

नगर में खाटू श्याम की निशान यात्रा हर्षोल्लास के साथ संपन्न

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थानखम्हरिया। नगर में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी खाटू श्याम की भव्य निशान यात्रा बड़े ही धूमधाम और श्रद्धाभाव के साथ निकाली गई। आशीष बंसल एवं हरि अग्रवाल के सौजन्य से आयोजित यह धार्मिक यात्रा नगर की आस्था का प्रमुख केंद्र बनी रही। उनके निवास में सजे दिव्य खाटू श्याम दरबार ने श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया।

यात्रा में पुरुषों व महिलाओं की बड़ी संख्या उमड़ी। डीजे पर गूंजते खाटू श्याम के भजन और गीतों पर श्रद्धालु नाचते-गाते आगे बढ़ रहे थे। पूरे नगर का वातावरण खाटू श्याम जय-जय के जयघोष से भक्तिमय हो उठा। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर बाबा की आरती उतारी। इस यात्रा में अग्रवाल समाज के साथ अन्य

समाजों के लोग भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। सभी ने शुद्ध भक्ति के साथ आस्था प्रकट करते हुए खाटू श्याम बाबा के दर्शन कर आध्यात्मिक सुख का अनुभव किया। अग्रवाल समाज ने इस आयोजन की सराहना करते हुए नगर एवं क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। यात्रा में प्रमुख रूप से ओम अग्रवाल, संजय अग्रवाल, दीपक बंसल, अनिल सिंघानिया, रूद्रेश अग्रवाल, बृजेश अग्रवाल, रौनक मुरारका, मनोज अग्रवाल, अतुल सिंघानिया, शिव बिंदल, कान्हा बिंदल, ईश्वर बंसल, गिरीश शर्मा, शिव केडिया, निखिल अग्रवाल, पवन अग्रवाल, साकेत सिंघानिया, नारायण सिंघानिया, गौरव बिंदल सुनीता अग्रवाल, प्रीति मुरारका, मोनिका सिंघानिया, निका सिंघानिया सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में पंडित श्रीकांत जोशी एवं ज्ञान प्रकाश जोशी ने सभी श्रद्धालुओं को अशेष शुभाषिश प्रदान किया।

अग्रवाल समाज का प्रतिनिधि मंडल मुख्यमंत्री से मिला छत्तीसगढ़ में फैलाए जा रहे जातिवाद पर की कठोर कार्रवाई की मांग

रायपुर। अग्रवाल समाज का एक प्रतिनिधि मंडल आज छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी से मुलाकात कर एक महत्वपूर्ण ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया कि अमित बघेल नामक व्यक्ति छत्तीसगढ़ क्रांति सैना द्वारा भगवान श्री अग्रसेन जी के प्रति अपमानजनक टिप्पणियाँ की गई हैं तथा अन्य समाजों के धर्मगुरुओं और भगवानों के प्रति भी अशोभनीय,अमर्यादित एवं भड़काऊ भाषा का प्रयोग किया गया है। इस प्रकार की बातें समाज में जातिवाद, वैमनस्य और दंगा भड़काने का कार्य कर रही हैं। ज्ञापन में अग्रवाल समाज ने मांग की कि ऐसे असामाजिक तत्व के विरुद्ध तत्काल गिरफ्तारी कर कठोरतम कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई व्यक्ति इस प्रकार की नफरत फैलाने वाली टिप्पणी करने का साहस न करे। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख समाजजन रायपुर अग्रवाल सभा के अध्यक्ष श्री विजय अग्रवाल जी, छत्तीसगढ़ प्रदेश अग्रवाल संगठन के अध्यक्ष श्री अशोक अग्रवाल जी, छत्तीसगढ़ प्रदेश अग्रवाल सम्मेलन के अध्यक्ष श्री किसन अग्रवाल जी, छत्तीसगढ़ प्रदेश वैश्य फेडरेशन के अध्यक्ष श्री योगेश अग्रवाल जी, तथा श्री मनमोहन अग्रवाल,श्री संजय रामविलास चौधरी, श्री रमेश अग्रवाल, श्री सतपाल जैन, श्री हरिबल्लभ अग्रवाल,श्री दीनदयाल गोयल,श्री संजय अग्रवाल एवं श्री सुभाष अग्रवाल सहित अनेक समाज बंधु उपस्थित रहे। प्रतिनिधि मंडल ने एक स्वर में कहा कि छत्तीसगढ़ एक शांतिप्रिय प्रदेश है,जहाँ जातिवाद या धर्म के नाम पर विभाजन फैलाने वालों के लिए कोई स्थान नहीं है।

भाटापारा का गौरव रिया अग्रवाल

भाटापारा । रिया अग्रवाल ने The Institute of Chartered Accountants of India (CA) की परीक्षा उत्तीर्ण कर अपना , परिवार,समाज एवं नगर का नाम रोशन किया है । रिया छत्तीसगढ़ी अग्रवाल समाज के पूर्व अध्यक्ष श्री बृजेश अग्रवाल एवं श्रीमती अर्चना अग्रवाल की सुपुत्री है। आपकी इस उपलब्धि पर अग्रवाल समाज के अध्यक्ष एडवोकेट जे.के.अग्रवाल ,निखिल अग्रवाल ,राजू दाऊ ,नीतीश अग्रवाल ,उमेश अग्रवाल,विवेक अग्रवाल ,राकेश तिवारी,दीपक मल ,मनोज डागा ,रूपेश मखीजा ,नंदकिशोर अग्रवाल एवं "**क्रांतिरथ छत्तीसगढ़**" परिवार सहित सभी शुभचिंतक गण ने बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की है।

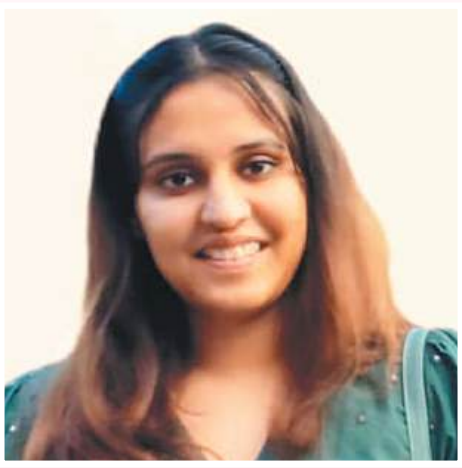

भारत का गौरव नंदनी अग्रवाल

रायपुर। 19 साल की उम्र में भारत की बेटी नंदनी अग्रवाल ने इतिहास रच दिया है वो भारत की सबसे कम उम्र की महिला CA बन गई है। मुरैना मध्यप्रदेश की नंदिनी अग्रवाल ने 13 साल की उम्र में 10वीं और 15 साल में 12वीं पास करी जिसके बाद CA फाइनल परीक्षा में AIR v (ऑल इंडिया रैंक 1) हासिल की और 19 साल की उम्र में सबसे कम उम्र की महिला CA बनकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : नारायण भूषणिया द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर-40/44 इंडस्ट्रीयल एरिया बीरगांव उरला रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कराकर एच.डी.डी./49, फेस-2 मेन रोड, कबीर नगर रायपुर से प्रकाशित, संपादक-नारायण भूषणिया मो.नं. 09300491602, RNI पंजीयन क्रमांक: CHHHIN/2010/34778, Email ID- krantirath.cg@gmail.com, / web- www.krantirath.com